केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 268 सोमवार 22 अप्रैल 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

सदस्यता अभियान चलाने पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। संयुक्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ उत्तर प्रदेश के शाखा बस्ती की एक आवश्यक बैठक प्रदेश महामंत्री योगेश उपाध्याय के अध्यक्षता में प्रातः 11.30 बजे से संघ कार्यालय दिव्यांश मेडिकल सेंटर रौता बड़ेबन रोड पर किया गया। जिसमें प्रदेश महामंत्री योगेश उपाध्याय ने संगठन के विस्तार एवं सदस्यता अभियान पर जोर दिया।

वहीं उन्होंने कहा कि राष्ट्र हित में संगठन मतदाता जागरूकता अभियान भी चलाएगा तथा सभी एनएचएम कर्मचारियों से निवेदन किया कि सभी कर्मचारी अपने पद की गरिमा को समझते हुए मरीज हित में कार्य करें। मण्डल संयोजक संजय पाण्डेय ने संगठन के उद्देश्यों को बताया।

जिलाध्यक्ष सुधाकर पाण्डेय ने कहा कि जनपद के सभी एनएचएम कर्मचारी हमारे परिवार के हैं सभी को एकजुट होकर संगठन को मजबूत करना होगा।

बैठक का संचालन जिलामहामंत्री राहुल श्रीवास्तव ने किया। बैठक में जिला संयोजिका अनीता चौधरी, उपाध्यक्ष निरंकुश शुक्ला, संगठन मंत्री उमेश श्रीवास्तव, विधिक सलाहकार जन्मेजय उपाध्याय, दीपिका पाण्डेय, सूरज पटेल, हरीश श्रीवास्तव, मनीष चौधरी, अश्वनी मिश्र सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

आग लगने पर बीमा के लिये सूचना दें किसान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। क्षतिपूर्ति पाने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत बीमित किसान गेहूं की फसल में आग लगने पर एक से दो दिनों में सूचना अवश्य दें। किसान पीएम फसल बीमा योजना के तहत जारी किए टोल फ्री नम्बर 18008896868 एवं 18002005142 पर अपना पालिसी नंबर बताते हुए अग्निकांड की जानकारी दे सकते हैं। उक्त जानकारी देते हुए राजकीय उप संभागीय कृषि प्रसार कार्यालय भानपुर के प्राविधिक सहायक अमित कुमार ने बताया कि रबी फसल के लिए बीमित किसान को क्षतिपूर्ति के रूप प्रति हेक्टेअर 64984 रुपये दिए जाने का प्रावधान है।

फायरिंग मामले में मुकदमा दर्ज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। तीन दिन पूर्व किसी बात को लेकर पत्रकार के बेटे की कार पर फायरिंग करने वाले दो अज्ञात शूटरों पर पुलिस ने हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर लिया। हालांकि अभी पुलिस हमलावरों का सुराग नहीं लगा सकी है। गौरतलब है पुरानी बस्ती थानाक्षेत्र के मोहल्ला चिकवा टोला निवासी पत्रकार मजहर आजाद के बेटे प्रिंस की गाड़ी पर रामनवमी के दिन ओल्ड यूनियन बैंक के सामने बाइक सवार दो अज्ञात बदमाशों ने फायरिंग कर दी थी। फायरिंग मिस हो जाने की वजह से वह बाल–बाल बच गए।

इस घटना के संबंध में मजहर आजाद ने कोतवाली में दो अज्ञात शूटरों के खिलाफ तहरीर दी थी। मामले की जांच–पड़ताल के बाद पुलिस ने शुक्रवार की देरशत दो अज्ञात के खिलाफ हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर लिया है। मामले की विवेचना कर रहे सब इंसपेक्टर रामानन्द सिंह ने पूछे जाने पर बताया कि घटना के पूर्व दोनो पक्षों के बीच सोशल मीडिया पर हुई चैटिंग की तहकीकात की जा रही है। साथ ही सर्विलांस की मदद से हमलावरों को ट्रेस किया जा रहा है, जल्द ही मामले का पर्दाफाश कर दिया जाएगा।

उलगुलान न्याय महारैली में छाया रहा मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन, अरविन्द केजरीवाल के गिरफ्तारी का मामला

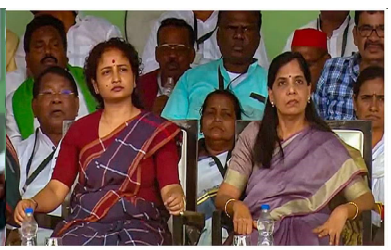

रांची (आभा)। झारखंड की राजधानी रांची में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' ने महारैली का आयोजन किया। इस रैली को 'उलगुलान न्याय महारैली' का नाम दिया गया। इस दौरान मंच में बड़े–बड़े दिग्गज नेता मौजूद रहे। इसके साथ ही मंच पर दो खाली कुर्सियां रखी गईं। एक जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के लिए और दूसरी झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के लिए। उनकी जगह नीता केजरीवाल और कल्पना सोरेन ने मंच साझा किया।

रैली को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल को सत्ता की कोई इच्छा नहीं है। वह सिर्फ देश की सेवा करना चाहते हैं। वह देश को नंबर 1 बनाना चाहते हैं। कई लोग कहते हैं कि ये मुश्किल है। 'जेल के ताले टूटेंगे, अरविंद केजरीवाल, हेमंत सोरेन छूटेंगे...।'

उन्होंने कहा कि राजनीति बहुत गंदी चीज है, उनके खाने में कैमरा लगाया जा रहा है। वे शुगर के मरीज हैं। वे पिछले 12 वर्षों से प्रतिदिन 50 यूनिट इंसुलिन ले रहे हैं, लेकिन उन्हें जेल में इंसुलिन नहीं दी जा रही है। वे दिल्ली के सीएम को मारना चाहते हैं। वे बहुत बहादुर हैं। वह शेर हैं। उन्हें जेल में भी 'भारत माता' की चिंता है।

रैली में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने उनका संदेश पढ़ा। उन्होंने कहा कि भाजपा विपक्ष शासित राज्यों में सरकारें गिराने का काम कर रही है, हम लोकतंत्र को विफल नहीं होने देंगे। हेमंत सोरेन ने जेल से अपने संदेश को पढ़ते हुए कल्पना ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और मेरे पति हेमंत सोरेन को चुनाव से ठीक पहले उन ताकतों ने जेल में डाल दिया, जो उनकी सरकारों के खिलाफ साजिश रच रहे थे। विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए ईडी और सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है, लेकिन भाजपा और ऐसी ताकतों को झारखंड से बाहर कर दिया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि अगर पार्टी मौजूदा चुनाव जीतती है तो यह आदिवासियों के लिए एक 'बड़ा खतरा' होगा।

दरअसल, हेमंत सोरेन को कथित भूमि धोखाधड़ी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 31 जनवरी की रात को गिरफ्तार किया था। इसी केंद्रीय एजेंसी ने 21 मार्च को अरविंद केजरीवाल को शराब नीति घोटाले से जुड़े मामले में गिरफ्तार भी किया था। हालांकि, झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष और आप सुप्रीमो के लिए कुर्सियां खाली रखी गई थीं, लेकिन उनकी पत्नियां कल्पना सोरेन और सुनीता केजरीवाल मंच पर बैठी थीं।

रैली के दौरान भीड़ ने 'जेल के ताले टूटेंगे, हेमंत सोरेन छूटेंगे' और 'झारखंड झुकेगा नहीं' जैसे नारे लगाए। झारखंड की राजधानी का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास होने के बावजूद भारी संख्या में लोग रैली में शामिल हुए। चिलचिलाती गर्मी के बीच सभी रैली के समर्थन जुटे रहे। 'उलगुलान

गर्भवती महिला की कोविड जांच रिपोर्ट आई पाजिटिव

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। जिला महिला अस्पताल में एक गर्भवती की कोविड जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। रिपोर्ट पॉजिटिव मिलने के बाद कर्मियों ने सीएमओ के कंट्रोल रूम को सूचित कर दिया है।

सदर ब्लॉक के भदेश्वरनाथ गांव की गर्भवती महिला अस्पताल में चिकित्सक से परामर्श लेने पहुंची थी। गर्भवती ने परामर्श से पहले पर्चा बनवाया और बगल के काउंटर पर कोविड जांच कराई। जिसमें उसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। कर्मियों ने इसकी सूचना तत्काल सीएमओ कार्यालय को दी। इसके बाद गर्भवती के मोबाइल पर संपर्क करके उन्हें होम आईसोलेट में किया। सीएमओ के अनुसार महिला अस्पताल में एहतियातन कोविड की जांच कराई जा रही है। बता दें कि महिला अस्पताल में पिछले कई माह से कोविड के मरीज मिल रहे हैं। हालांकि, सभी स्वस्थ हो जा रहे हैं।

आग से सामान जलकर राख

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लालगंज थाना क्षेत्र के जिगना देव गांव में रविवार को दोपहर में घर में दूध गर्म करते वक्त उठी चिंगारी से घर में रखा घर गृहस्थी का सारा सामान आग में जलकर राख हो गया। जिगिना देव गांव निवासी राम बेलास पांडेय पुत्र राम के घर में रखा 20 बोरी धान 10 कुंतल चावल 15 कुंतल गेहूं 10000 नगदी घर में रखें सभी जेवर कपड़े सहित घर गृहस्थी का पूरा सामान जलकर राख हो गया।

आग लगने की सूचना गांव के सुशील पाण्डेय ने फोन पर फायर ब्रिगेड को दी। जब तक फायर ब्रिगेड की टीम पहुंचती तब गांव वालों ने पपिंग सेट के माध्यम से आग को नियंत्रण में कर रखा था। फायर ब्रिगेड की टीम आने 2 घंटे तक कड़ी मशकत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग लगने की सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी लालगंज राम भवन प्रजापति मौके पर पहुंचे।

लोकसभा काआर्डिनेटर बने महेन्द्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। कांग्रेस पार्टी सूचना का अधिकार विभाग के चेयरमैन पुष्पेन्द्र श्रीवास्तव ने प्रदेश महासचिव महेन्द्र श्रीवास्तव को महाराजगंज जिले का लोकसभा काआर्डिनेटर नियुक्त किया है। पुष्पन्द्र श्रीवास्तव ने जारी आदेश में जिले में पहुंचकर इण्डिया गठबंधन के प्रत्याशी को चुनाव जिताने के लिये हर संभी मदद देने का निर्देश दिया है।

महेन्द्र श्रीवास्तव ने यहां प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से उक्त जानकारी देते हुये बताया कि पार्टी नेतृत्व ने जिस भरोसे से यह जिम्मेदारी उसे पूरी निष्ठा और इमानदारी से निभाऊंगा। महेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा 2024 का चुनाव भारत का लोकतंत्र और सविधान को बचाने के लिये लड़ा जा रहा है। नागरिकों को देश के हालात समझने होंगे और जाति धर्म की संकीर्णा मानसिकता से ऊपर उठकर सर्वसमाज के हित के लिये देश के समग्र विकास को वोट करना होगा, जिससे जनता को कमरतोड़ महगाई, नफरत की राजनीति, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से निजात मिले। महेन्द्र श्रीवास्तव को जिम्मेदारी दिये जाने पर पूर्व विधायक अंबिका सिंह, जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय, वीरेन्द्र प्रताप नारायण पाण्डेय, देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, मो. रफीक खां, जयंत चौधरी, अशोक श्रीवास्तव, जितेन्द्र चौधरी, अवधेश सिंह, गिरजेश पाल, अतीउल्लाह सिद्धीकी, राकेश पाण्डेय, सुनील पाण्डेय, सर्वेश शुक्ला, अनिरुद्ध त्रिपाठी आदि ने बधाइयां दिया है।

नुक्कड़ सभाओं में बना रहे हैं मतदाताओं से संवाद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लोकसभा सभा चुनाव को लेकर तापमान बढ़ने लगा है। सभी पार्टियों ने मतदाताओ के बीच पहुंचना शुरु कर दिया है। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी शक्ति केन्द्र स्तरीय पथ सभाओं (नुक्कड़ सभा) के माध्यम जनता से सीधा संवाद स्थापित कर रही है।

अभियान के संयोजक अमृत कुमार वर्मा ने बताया की बस्ती लोकसभा क्षेत्र में भाजपा ने कुल चार सौ शक्ति केन्द्र बनाये है, जिसके मैनेजमेंट के लिए हर शक्ति केन्द्र पर संयोजक और प्रभारी नियुक्त किए गये है। जमीनी स्तर पर पार्टी गतिविधियों को पहुचाने में इस कड़ी की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। इन्ही के बदौलत भाजपा शक्ति केंद्र स्तर पर नुक्कड़ सभाओ का आयोजन कर

रही है। 19 अप्रैल से शुरु होकर 28 अप्रैल तक यह समाये चलेंगी। पुरे लोकसभा क्षेत्र में विधानसभावार हर दिन 50 नुक्कड़ सभाए आयोजित हो रही है। जिसमे पार्टी के वरिष्ठ नेता पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि सक्रियता से भाग ले रहे है। संगठन द्वारा सहयोगी दल जैसे अपना दल, निषाद पार्टी, राजभर पार्टी और रालोद के नेताओ को भी आमंत्रित किया जा रहा है।

नुक्कड़ सभाओ को संबोधित करते हुए भाजपा नेता विधायक अजय सिंह, संजय चौधरी, दयाराम चौधरी, रवि सोनकर, अरविन्द पाल, प्रमोद पाण्डेय, सतेन्द्र सिंह भोलू, मनोज सिंह ने चुनावी जन संपर्क अभियान मे लोकसभा प्रत्याशी हरीश द्विवेदी के पक्ष में प्रचार करते हुए कहाँ मोदी जी के नेतृत्व में विकसित भारत की कल्पना साकार हो रहा है, गरीब कल्याण की सारे सुविधा मोदी की गारंटी में पुरा हो रहा है।

कार्यक्रमों में श्रीश पाण्डेय, अमित चतुर्वेदी, देव दीपक पाण्डेय, देवेन्द्र सिंह, मती ममता पाण्डेय, सतेन्द्र सिंह , उमेश मद्धेशिया, अजय सिंह, सुजीत सोनी, शिव चरन जायसवाल, सिन्कू सिंह, मनोज राजभर, राजमणि पटेल, बजरंग बिहारी पाण्डेय, मती करुणा सिंह, वैभव पाण्डेय, सरवन यादव, विनय भरद्वाज, विजय पटेल, ओंकार सिंह, राम औतार कन्नौजिया, सुशील सिंह, राजेश कमलापुरी, राज मंगल सिंह, जटाशंकर शुक्ला, कृष्ण कुमार तिवारी, सुखराम गौड़, अशोक निषाद, अभिनव उपाध्याय सहित शक्ति केन्द्र प्रभारीगण, बूथों के अध्यक्षगण, भाजपा के पदाधिकारीगण, जन प्रतिनिधिगण, वरिष्ठ कार्यकर्तागण, महिला मोर्चा के बूथ अध्यक्षगण आदि शामिल रहे।

मांगों को लेकर किसान रेलवे ट्रेक पर, 26 ट्रेने निरस्त

चण्डीगढ (आभा)। पंजाब के शंभू बॉर्डर पर चल रहा संयुक्त किसान मोर्चा का आंदोलन रेल यात्रियों के लिए मुसीबत बन गया है। आंदोलन के पांचवें दिन रविवार को 26 ट्रेनें निरस्त हुई। जिनमें 4 ट्रेन हरिद्वार, लक्सर और रुड़की रूट की हैं। इस आंदोलन से 50 से ज्यादा गाड़ियां प्रभावित हुई हैं।

आंदोलन के चलते रेलवे ट्रैक बाधित होने से कोलकाता से अमृतसर दुर्गियाना एक्सप्रेस, हावड़ा से जम्मूतवी हिमगिरी एक्सप्रेस, पुरैना कोर्ट से अमृतसर जनसेवा एक्सप्रेस, जयनगर से अमृतसर शहीद एक्सप्रेस, नई दिल्ली से अमृतसर स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस और नई दिल्ली से श्री माता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस घंटों अंबाला कैंट स्टेशन पर खड़ी रही। बाद में इन्हें रूट डायवर्ट कर साहनेवाल (पंजाब) भेजा गया। इससे गाड़ियां लेट भी हुई। फिरोजपुर कैंट से धनबाद, गंगा सतलुज एक्सप्रेस और जम्मूतवी से गोरखपुर, अमरनाथ एक्सप्रेस 6–6 घंटे, डॉ. आंबेडकर नगर से श्री माता वैष्णो देवी कटरा, जम्मूतवी जम्मू तवी एक्सप्रेस और अमृतसर से नई दिल्ली, जन शताब्दी एक्सप्रेस 4–4 घंटे देरी से चल रही है।

सुपरफास्ट और श्री माता वैष्णो देवी कटरा से योगनगरी ऋषिकेश हेमकुंड एक्सप्रेस 5–5 घंटे, कोलकाता से

कांग्रेस उम्मीदवार का नामांकन रद्द

सूरत (आभा)। गुजरात के सूरत में हाई वोल्टेज सियासी ड्रामा देखा जा रहा है। सूरत लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार निलेश कुम्भानी का नामांकन फॉर्म रद्द कर दिया गया है। बताया जाता है कि निलेश कुम्भानी चुनाव अधिकारी के समक्ष अपने दोनों प्रस्तावकों को नहीं पेश कर पाए। बता दें कि उनके तीनों प्रस्तावक उनके खिलाफ थे। तीनों ने जिला निर्वाचन अधिकारी को हलफनामा देकर कहा था कि उन्होंने नामांकन पत्र पर दस्तखत नहीं किए थे। इसके बाद सूरत लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार नीलेश कुम्भणी का नामांकन खारिज कर दिया गया।

सूरत लोकसभा सीट से ही कांग्रेस के वैकल्पिक उम्मीदवार सुरेश पडसाला का नामांकन पत्र भी अवैध घोषित कर दिया गया है। इससे सूरत लोकसभा सीट पर कांग्रेस चुनावी मुकाबले से बाहर हो गई है।

जिलाबदर गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अपने आनाक्षत्र में घूम रहे जिलाबदर अपराधी को छावनी पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल रवाना किया है। प्रभारी निरीक्षक राजेश तिवारी ने बताया कि न्यायालय के निर्देश की अवहेलना करके क्षेत्र में लगातार मौजूद होने की सूचना पर सुरागरसी की गई तो रामरेखा पुल के पास से जिला बदर अभियुक्त राम गोपाल उर्फ घपोली निवासी ग्राम बलुआ पकड़ा गया। हिरासत में लेकर न्यायालय भेजा गया। जहां कोर्ट के आदेश पर जेल रवाना कर दिया गया।

बसपा के केन्द्रीय चुनाव कार्यालय का उद्घाटन कार्यकर्ताओं को दिया बूथ स्तर पर जीत का मंत्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। रविवार को बहुजन समाज पार्टी के केन्द्रीय चुनाव कार्यालय का उद्घाटन मालवीय रोड स्थित बादशाह मल्टीप्लेक्स के सभागार में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और लोकसभा के प्रत्याशी दयाशंकर मिश्र की उपस्थिति में हुआ। कार्यालय उद्घाटन के बाद कार्यकर्ता बैठक में चुनाव तैयारियों को लेकर रणनीति बनाने के साथ ही बूथवार तैयारियों की समीक्षा की गई।

बसपा प्रत्याशी दयाशंकर मिश्र ने कहा कि यह चुनाव लोकसभा क्षेत्र के मतदाताओं और कार्यकर्ताओं का चुनाव है। मतदाता इस बार परिवर्तन का मन बना चुके हैं और निश्चित रूप से सबके सहयोग से जीत मिलेगी।

बसपा केन्द्रीय चुनाव कार्यालय के उद्घाटन अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व एमएलसी दिनेश चन्द्रा ,मुख्य जोन कार्डिनेटर इन्दलराम , मण्डल प्रभारी उदयभान पूर्व विधायक भगवानदास ,पूर्व एमएलसी लाल चंद्र निषाद, कल्पनाथ बाबू , डा. आलोक रंजन, राम सूरत चौधरी ,सीताराम शास्त्री, बसपा जिलाध्यक्ष जयहिंद गौतम, विधानसभा अध्यक्षगण कृपाशंकर गौतम, केसी मौर्य,देशराज गौतम,राजीव कुमार के साथ ही बसपा के अनेक वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता उपस्थित रहे। वक्ताओं ने बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र देते हुये कहा कि बूथ जीत गये तो चुनाव जीत जायेंगे। इस चुनाव में मतदाता परिवर्तन का मन बना चुके हैं।

–मतदाता लायेंगे परिवर्तन, मिलेगी जीत– दयाशंकर मिश्र

सम्मेलन में राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की भूमिका पर विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ का जिला सम्मेलन पार्टी कार्यालय पर सम्पन्न हुआ। बैठक की अध्यक्षता विवेकानंद मिश्रा व संचालन जिला संयोजक डा.रघुबर पांडेय ने किया। मुख्य अतिथि सांसद हरीश द्विवेदी ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। शिक्षक हितों की रक्षा के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। हमारी सरकार शिक्षक हितों का निरंतर ख्याल रख रही है।

सांसद श्री द्विवेदी ने बताया कि बस्ती में हमने दस वर्षों ने ऐतिहासिक काम किया है। मोदी सरकार गांव, गरीब किसानों के लिए निरंतर काम कर रही है। बस्ती मेडिकल कालेज, इंजिनियरिंग कालेज, पुस्तकालय, अटल आवासीय विद्यालय, रिंग रोड सहित अनेक कार्य हुए है।

पूर्व कुलपति प्रोफेसर राकेश कुमार पांडेय ने कहा कि भाजपा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम बदलाव ला रही है। आने वाले समय में इसका असर दिखेगा। क्षेत्रीय संयोजक रमेश सिंह ने कहा कि लोक सभा चुनाव में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। वे समाज के सबसे शिक्षित व्यक्ति है। उनके प्रयास चुनाव का रुख बदल जाएगा। हम बस्ती जनपद के पांचों विधानसभाओं में सम्मेलन करेंगे। क्षेत्रीय सह संयोजक संजय द्विवेदी ने सभी अतिथियों का स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया व आभार व्यक्त किया। जिला सह संयोजक डा. रमा शर्मा ने वंदे मातरम का पाठ किया और ओज के कवि वेद प्रकाश द्विवेदी ने कविता पाठ किया। जिला संयोजक डा.रघुबर पांडेय ने कहा कि बस्ती जनपद के संसदीय इतिहास में जितना विकास कार्य हरीश द्विवेदी ने कराया उतना कभी भी नहीं हुआ है। शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि उन्हें पुनः बस्ती के लोगों का प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्रदान करें।

सम्मेलन को पूर्व विधायक रवि सोनकर, राजेंद्र नाथ तिवारी, डा.अनिल मौर्या,अजय पांडेय, राम चरन चौधरी, विजय द्विवेदी, अखिलेश दूबे, राजेश मिश्र, राम सिंगार ओझा, योगेश शुक्ला, जगदीश शुक्ला, राणा दिनेश प्रताप सिंह, डा. ब्रजेश पासवान, सूर्य कांत ओझा, श्री प्रकाश दुबे, मनीष श्रीवास्तव सहित अनेक लोगों ने संबोधित किया।

इस दौरान डा.अजीत मणि त्रिपाठी, राम वृक्ष निषाद, सूर्य कुमार उपाध्याय, अजय पांडेय, नंदलाल कन्नौजिया, शशांक श्रीवास्तव, सत्य प्रकाश द्विवेदी, जान पांडेय, राम हरीश मौर्य, मनोज चतुर्वेदी, सूर्य प्रकाश तिवारी, संजय सिंह, रघुनाथ चौधरी, श्रुति अग्रहरी, कमलेश चौधरी, प्रमोद मिश्रा, संजय सिंह, अमितेश श्रीवस्तत्व, नेहा श्रीवास्तव, पूजा गुप्ता, प्रियंका मिश्रा, रोहित सिंह सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 22 अप्रैल 2024 सोमवार

सम्पादकीय

भीषण गर्मी और चुनावी तापमान

देश में सियासी तापमान के साथ ही मौसमी तापमान भी तेजी से बढ़ने लगा है। उत्तर भारत के अनेक इलाकों में लू का प्रभाव शुरू हो गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अपने ताजा पूर्वानुमान में महाराष्ट्र, उत्तरी गोवा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों में लू चलने की चेतावनी जारी की है। उत्तर भारत में कुछ इलाकों में चिलचिलाती गरमी से राहत रहेगी, पर ज्यादातर इलाके दिन के समय तपेंगे। कुछ जगहों पर बादल भी छाए हैं, पर बादल के हटते ही तापमान के सभी जगह तेज होने का अनुमान है। बिहार के करीब एक दर्जन जिलों में लू का माहौल है, पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार जा चुका है। उत्तर प्रदेश के भी अनेक जिलों में पारा 40 डिग्री के पार पहुंचने लगा है। तापमान या लू की चिंता इस साल इसलिए भी ज्यादा है, क्योंकि यह चुनावी समय है। बड़े पैमाने पर लोगों का आवागमन होगा और सभाओं का आयोजन होगा। अनेक जगहों पर हजारों लोगों की भीड़ जुटेगी और लोगों को परेशानी होगी। ऐसे में, अगर तापमान 40 या 45 के पार रहता है, तो संकट सताएगा।

मौसम प्रतिकूल होने से चुनाव प्रचार के साथ ही मतदान प्रतिशत भी प्रभावित हो सकता है। वैसे यह कोई नई बात नहीं है, विगत दशकों से लोकसभा चुनाव मार्च–अप्रैल–मई में ही होते आए हैं, पर तापमान के मद्देनजर सभी को सावधान रहना होगा। मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार, मई का महीना तपेगा। चिंता इसलिए भी ज्यादा है कि पिछला साल 2023 वर्ष 1901 के बाद सबसे गरम रहा था। क्या साल 2024 से हम राहत की उम्मीद कर सकते हैं? इस साल गरमियों में कुछ इलाकों में पारा 50 डिग्री सेल्सियस के पार भी जा सकता है। शहरों को विशेष रूप से जल की व्यवस्था दुरुस्त रखनी पड़ेगी।

खैर, आने वाले दिनों में अधिकतम तापमान का अनुमान नहीं लगाया जा सकता, पर आने वाली बारिश का अनुमान मौसम विभाग ने लगा लिया है। इस साल जून और सितंबर के बीच सामान्य से अधिक मानसूनी बारिश होने की संभावना है। ध्यान रहे, पिछले वर्ष देश में सामान्य से कम बारिश हुई थी, इसलिए इस बार सामान्य से अधिक बारिश किसी खुशखबरी से कम नहीं है। पूर्वानुमान के अनुसार, देश भर में वर्षा की कुल मात्रा पांच प्रतिशत की त्रुटि आशंका के साथ लंबी अवधि के औसत का 106 प्रतिशत रहेगी। वैसे मई के अंत में मौसम विभाग बारिश से जुड़े सुनिश्चित अनुमान लगाने में सक्षम होगा। फिलहाल, समुद्री तापमान के ढर्रे में अपेक्षित बदलाव और उत्तरी गोलार्ध में बर्फ की मात्रा को देखते हुए सामान्य से अधिक बारिश का अनुमान लगाया गया है। अभी भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में मध्यम अल नीनो की स्थिति बनी हुई है। देश में सामान्य से अधिक मानसून की 31 प्रतिशत संभावना है, जबकि सामान्य से कम मानसून की 8 प्रतिशत संभावना है और कमजोर मानसून की केवल दो प्रतिशत संभावना जताई गई है। वास्तव में, हमें मौसम के बारे में समग्रता में सोचना चाहिए। ज्यादा गरमी भी ठीक नहीं और न ज्यादा बारिश, पर जलवायु परिवर्तन का जो हाल है, उसके अनुसार, हमें दोनों ही परिस्थितियों के लिए तैयार रहना चाहिए। साथ ही, एक बार जरूर सोचना चाहिए कि अत्यधिक तापमान या अत्यधिक बारिश की स्थिति से बचने के लिए हम क्या कर सकते हैं। भारत की 1.4 अरब की मजबूत आबादी ने सभी क्षेत्रों में मांग को बढ़ावा दिया है, जो स्वाभाविक रूप से जल संसाधनों की घटती उपलब्धता से पूरा हुआ है। ऐसा मुख्य रूप से अपर्याप्त दूरदर्शिता और योजना के कारण हुआ है और अक्सर इसके परिणामस्वरूप जल संसाधनों की कमी हो गई है। भारत में जल संकट के लिए जिम्मेदार एक अन्य महत्वपूर्ण कारक मानसून पैटर्न में बदलाव है। मानसून का मौसम पहले कृषि के लिए वरदान था, लेकिन हाल के दिनों में इसमें अप्रत्याशितता बढ़ गई है। रुक–रुक कर भारी वर्षा के साथ लंबे समय तक शुष्क मौसम आम हो गया है, जिससे पारंपरिक खेती के पैटर्न बाधित हो रहे हैं और कृषि उत्पादन कम हो रहा है। यह प्रवृत्ति खाद्य सुरक्षा और लाखों कृषि नौकरियों में बदलाव को खतरे में डालती है। चुनाव के समय में पर्यावरण या मौसम राजनीति का केंद्रीय विषय भले न बना हो, पर लोगों के लिए यह विषय महत्वपूर्ण होना चाहिए।

नेताओं की जहरीली जुबान पर कैसे लगे लगाम

—ललित गर्ग—

लोकसभा चुनाव का प्रचार उग्र से उग्रतर होता जा रहा है। प्रचार–अभियान में नफरती सोच एवं हेट स्पीच का बाजार बहुत गर्म है। राजनीति की सोच ही दूषित एवं घृणित हो गयी है। नियंत्रण और अनुशासन के बिना राजनीतिक शुचिता एवं आदर्श राजनीतिक मूल्यों की कल्पना नहीं की जा सकती। नीतिगत नियंत्रण या अनुशासन लाने के लिए आवश्यक है सर्वोपरि राजनीतिक स्तर पर आदर्श स्थिति हो, तो नियंत्रण सभी स्तर पर स्वयं रहेगा और इसी से देश एक आदर्श लोकतंत्र को स्थापित करने में सक्षम हो सकेगा। अक्सर चुनावों के दौर में राजनीति में बिगड़े बोल एवं नफरत की राजनीति कोई नई बात नहीं है। चर्चा में बने रहने के लिए ही सही, राजनेताओं के विवादित बयान गाहे–बगाहे सामने आ ही जाते हैं, लेकिन ऐसे बयान एक ऐसा परिवेश निर्मित करते हैं जिससे राजनेताओं एवं राजनीति के लिये घृणा पनपती है। बिगड़े बोल का दोषी मानते हुए चुनाव आयोग ने कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला को 48 घंटे के लिए चुनाव प्रचार करने से रोक दिया है। मथुरा से भाजपा प्रत्याशी एवं सिने अभिनेत्री हेमा मालिनी को लेकर की गई टिप्पणी को अपमानजनक मानते हुए आयोग ने सुरजेवाला के खिलाफ यह सख्त कार्रवाई की एवं कड़ा कदम उठाया है। लेकिन क्या इस एक्शन को सचमुच सख्त कहा जाना चाहिए? क्या आपत्तिजनक बयानबाजी और खास तौर से महिला सम्मान को ठेस पहुंचाने वालों के लिए इतनी ही सजा काफी है? ये सवाल इसलिए भी कि चुनावों को हम लोकतंत्र का महोत्सव कहते आए हैं और ऐसे बयान चुनावी उत्सवप्रियता में खलल डालने वाले साबित होते हैं।

राजनीति में वाणी का संयम एवं शालीनता बहुत जरूरी है, क्योंकि शब्द आवाज नहीं करते, पर इनके घाव बहुत गहरे होते हैं और इनका असर भी दूर तक पहुंचता है और देर तक रहता है। इस बात को राजनेता भी अच्छी तरह जानते हैं इसके बावजूद जुबान से जहरीले बोल सामने आते ही रहते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे हो या राजद नेता लालूप्रसाद यादव प्रधानमंत्री को लेकर जो कुछ कहा हो भाजपा नेता ने सोनिया–राहुल को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी करते हो, सार्वजनिक रूप से ऐसी टिप्पणियों को हेट स्पीच के दायरे से बाहर नहीं रखा जा सकता। राष्ट्रीय एकता एवं राजनीतिक ताने–बाने को ध्वस्त कर रहे जहरीले भाषणों की समस्या दिन–प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। विशेषतः महिला नेताओं एवं उम्मीदवारों पर की जा रही कथित विवादास्पद एवं अशालीन टिप्पणियां लोकतंत्र पर बदनुमा दाग रही है। इसी तरह सुरजवाला को हरियाणा की एक चुनावी सभा में हेमा मालिनी को लेकर की गई टिप्पणी के लिए दोषी ठहराया गया है।

सुरजेवाला हो या कांग्रेस के अन्य नेता– इन सबको अपनी गलती का अहसास नहीं हुआ हो, ऐसा हो नहीं सकता। लेकिन पहले बयानबाजी कर बाद में लीपापोती करने में जुटना नेताओं का शगल होता जा रहा है। ज्यादा विवाद उठने लगे तो ऐसे तीखे एवं कड़वे बयानों के वीर एवं यौद्धा यह कहकर पल्ला झाड़ते नजर आते हैं कि उनके बयान को तोड़मरोड़ कर दिखाया गया है। कांग्रेस सहित अनेक राजनीतिक दलों के नेता ऐसे वक्तव्य देते हैं और विवाद बढ़ता देख बाद में सफाई देने से भी नहीं चूकते। आधुनिक तकनीकी एवं संचार –क्रांति के जमाने में हर व्यक्ति पत्रकार की भूमिका में है, सोशल मीडिया के दौर में जब हर हाथ में कैमरायुक्त मोबाइल रहने लगा है चुनावी सभाओं में कोई बयान सार्वजनिक हुए बिना रह ही नहीं सकता। बात केवल सुरजेवाला की ही नहीं है, इससे पहले पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी व हिमाचल प्रदेश में मंडी से भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी कंगना रनौत को लेकर ऐसी ही अपमानजनक टिप्पणियां सामने आई थीं। चुनाव आयोग के संज्ञान में यह सब भी सामने आया था लेकिन बयान देने वालों को चेतावनी पत्र देकर ही छोड़ दिया गया। सुरजेवाला को लेकर आयोग के आदेश के बारे में यह जरूर कहा जा सकता है कि लोकसभा चुनाव प्रचार के इस दौर में आयोग ने किसी नेता को प्रचार से रोकने जैसा फैसला पहली बार किया है। अड़तालीस घंटे की रोक अवधि पूरी होने के बाद सुरजेवाला फिर चुनाव प्रचार कर सकेंगे, लेकिन इस बात की गारंटी कौन देगा कि आगामी दिनों में वे अपना बर्ताव संयत रखेंगे। वे अक्सर संकीर्णता एवं राजनीति का उन्माद एवं 'हेट स्पीच' के कारण चर्चा में रहते हैं।

राजनेताओं के नफरती, अमर्यादित, उन्मादी, द्वेषमूलक और भड़काऊ भाषणों को लेकर चुनाव आयोग का सक्रिय होना नितान्त अपेक्षित है, जबकि सर्वोच्च न्यायालय ने भी समय–समय पर बिगड़े बोलों पर कड़ी टिप्पणियां की है। भाषा की मर्यादा सभी स्तर पर होनी चाहिए। कई बार आवेश में या अपनी बात कहने के चक्कर में शब्दों के चयन के स्तर पर कमी हो जाती है और इसका घातक परिणाम होता है। मुद्दों, मामलों और समस्याओं पर बात करने की बजाय जब नेता एक–दूसरे पर निजी हमले करने लगें तो यह उनकी हताशा, निराशा और कुंठा का ही परिचायक होता है। कांग्रेस पार्टी ने भाषा एवं बयानों की मर्यादा को लांघा है। दरअसल, कांग्रेस में यह रिवाज ही बन चुका है। चुनाव में वह कुछ बुनियादी समस्याओं पर बोलने की बजाय है, कोई न कोई ऐसी नफरती एवं गैरजरूरी बयानबाजी कर ही देता है जिसका परिणाम आखिरकार पार्टी को भुगतना पड़ता है। इसी कारण पार्टी लगातार जनआधार खो रही है, रसातल में धंसती जा रही है और सुरजेवाला जैसे नेताओं को सजा भी मिलती है।

पार्टी कोई सी भी हो, चुनावी सभाओं में नेता अपने विरोधियों के खिलाफ जहर उगलने से नहीं चूकते। नेता चाहे सत्ता पक्ष से जुड़े हों या प्रतिपक्ष से, अक्सर भाषणों में हदें पार कर देते हैं। सुप्रीम कोर्ट के समय–समय पर दिए गए निर्देशों की भी इन्हें परवाह नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले दिनों ही चुनाव आयोग को मजबूत करने के प्रयास करते हुए उसे अपनी ताकत का अहसास भी कराया है। कोर्ट ने यहां तक कहा कि कुछ गलत होने पर उसे प्रधानमंत्री के खिलाफ कार्रवाई करने से भी नहीं हिचकना चाहिए। चुनाव आयोग सख्ती दिखाए तो किसकी मजाल कि भरी सभाओं में जहर उगलती भाषा का इस्तेमाल कर जाए। दरअसल, इस तरह के प्रकरणों में आचार संहिता से ज्यादा नेताओं की आचरण संहिता की जरूरत रहती है। महिला हो या पुरुष, किसी के लिए भी अभद्र भाषा का इस्तेमाल कतई नहीं होना चाहिए। होना तो यह चाहिए कि राजनीतिक दल आगे आकर पहल करें। आयोग से पहले खुद अपने ऐसे नेताओं पर सख्ती करे, जिनके विवादास्पद बयान चुनावी माहौल में जहर घोलने का काम करते हैं एवं नारी अस्मिता एवं अस्तित्व पर आघात करते हैं।

लोकतंत्र का महापर्व चुनाव राजनीतिक दलों एवं नेताओं के भविष्य को निर्धारित करने का दुर्लभ अवसर है। ऐसे में सोचने की बात तो यह है कि राजनीतिक भावनाओं एवं नफरती सोच को प्रश्रय देने वाले राजनीतिक दल भी खतरे से खाली नहीं हैं। उनका भविष्य कालिमापूर्ण है। उनकी नफरती कोशिशों पर दुनिया की नजरे टिकी हैं। वे क्या बोलते हैं, क्या सोचते हैं, इसी से भारतीय लोकतंत्र की गरिमा दुनिया में बढ़ सकती है। जरूरत है कि हमारे राजनीति दल अपनी सोच को परिपक्व बनाये, मतभेदों को स्वीकारते हुए मनभेद को न पनपने दे। आखिर नेताओं को नफरत का बाजार सजाने की छूट क्यों हो? इस समस्या से निपटने के लिए 'हेट स्पीच' को अलग अपराध की श्रेणी में रखने के लिए कानून में संशोधन का भी वक्त आ गया है? मगर इस दौर की राजनीति का स्वरूप कुछ ऐसा बनता गया है कि दूसरे दलों एवं उनके नेताओं के खिलाफ नफरती भाषण देकर अपना जनाधार बढ़ाने का प्रयास किया जाने लगा है। निश्चित ही यह विकृत एवं घृणित सोच वोट की राजनीति का हिस्सा बनती जा रही है। इस प्रवृत्ति पर अविलंब अंकुश लगाने की आवश्यकता है ताकि इस समस्या को नासूर बनने से पहले ही इस पर प्रभावी तरीके से नियंत्रण पाया जा सके। आजादी के अमृत–काल में राजनीतिक दलों में नफरत एवं उन्माद की आंधी को नियंत्रित करने के लिये विभिन्न राजनीतिक दलों में विनाशकारी बोलों की बजाय निर्माणात्मक बोलों का प्रचलन बढ़े।

निराश मतदाता और जवाबदेही की खोज

—अश्वनी कुमार गुप्ता—

लोकतंत्र का सबसे शक्तिशाली अंग, मतदाता, सबसे अधिक त्रस्त क्यों है? सैद्धांतिक रूप से, लोकतंत्र जनता के लिए, जनता द्वारा और जनता के शासन का प्रतीक है। जाहिर तौर पर लोग किसी भी लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण अंग है। लोकतंत्र में जनकल्याण से बढ़कर किसी चीज की कल्पना नहीं की जा सकती। लेकिन फिर भी क्या यह हकीकत में सच है? दरअसल यह आसानी से देखा जा सकता है कि आम आदमी यानी मतदाता ही किसी भी व्यवस्था का सबसे बड़ा भुक्तभोगी होता है। लोकतंत्र के सबसे शक्तिशाली अंग के रूप में मतदाता के पास मतपेटी के माध्यम से राष्ट्र की नियति को आकार देने की कुंजी है। फिर भी, व्यवहार में मतदाताओं की निराशा स्पष्ट है। ऐसा क्यों है कि लोकतंत्र का मूल मंत्र, जो कल्याण और सशक्तिकरण का वादा करता है, अक्सर आम आदमी को निराश कर देता है?

भारत में सत्ता की सबसे छोटी इकाई पंचायत है। सबसे बड़ी सीट लोकसभा है। राज्यों पर शासन करने के लिए राज्य विधानसभाएं हैं। दो दलीय व्यवस्था वाले देशों में सत्ता का बंटवारा दो दलों के बीच होता रहता है। रूस जैसे छद्म लोकतांत्रिक देशों में सत्ता मजबूत नेता के हाथ में ही रखी जाती है। लेकिन भारत जैसे बहुदलीय लोकतंत्र में अलग–अलग स्तर पर अलग–अलग पार्टियां शासन करती हैं। नई–नई पार्टियां उभरती रहती हैं। लेकिन सभी चुनाव मतदाताओं द्वारा ही होते हैं। हर स्तर पर सरकार चुनने की पूर्ण शक्ति मतदाता के पास है। प्रत्येक मतदाता के पास वोट की समान शक्ति होती है, तो सवाल यह उठता है कि जबकि सभी स्तरों पर सरकार केवल मतदाताओं द्वारा चुनी जाती है, फिर भी उन्हें ही पीड़ित क्यों होना पड़ता है?

लोकतंत्र की आधारशिला चुनावी प्रक्रिया में राजनीतिक दल मतदाताओं को लुभाने के लिए बड़े–बड़े वायदे करते हैं। हालांकि, चुनाव केवल नए शासकों को चुनने के लिए एक तंत्र के रूप में कार्य करते हैं और जरूरी नहीं कि उन वायदों को पूरा करने की गारंटी भी देते हों। भारत जैसे लोकतांत्रिक देशों का चुनावी परिदृश्य ऐसे वायदों से भरा पड़ा है जो आम आदमी की आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करते हैं। हालांकि, प्रत्येक गुजरते चुनाव चक्र के साथ बयानबाजी और वास्तविकता के बीच का अंतर बढ़ता जाता है। राजनीतिक दलों द्वारा इन गंभीर मुद्दों के समाधान के लिए की गई जोशीली प्रतिज्ञाओं के बावजूद, जमीनी हकीकत अक्सर बिल्कुल अलग तस्वीर पेश करती है। आम मतदाता के लिए, संघर्ष केवल प्रतिस्पर्धी वादों के बीच चयन करने के बारे में नहीं है, बल्कि अधूरी उम्मीदों की भूल–भुलैया से निकलने के बारे में भी है।

प्रणालीगत असमानताओं और आर्थिक विषमताओं के कारण गरीबी का चक्र जारी है। दशकों की प्रतिज्ञाओं के बावजूद, लाखों लोग अभी भी अभाव और अवसरों की कमी से जूझ रहे हैं। भारत की आजादी के बाद से ही गरीबी उन्मूलन हर राजनीतिक दल का एजेंडा रहा है। इसी तरह आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतें हर चुनाव में मुद्दा रही हैं। स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला सुरक्षा, बुनियादी ढांचा आदि अन्य सामान्य एजेंडे रहे हैं। एक आम आदमी की ज्यादा महत्वाकांक्षाएं नहीं होतीं। उनकी उम्मीदें पर्याप्त आय, वस्तुओं की नियंत्रित कीमतें, उनके बच्चों के लिए अच्छी शिक्षा सुविधाएं, अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं, व्यक्तिगत सुरक्षा और त्वरित न्याय तक सीमित हैं। विडम्बना यह है कि हर चुनाव के साथ वादों की आवाज जूं–जूं दबा की।

हमें मतदाता द्वारा निर्णय लेने की प्रक्रिया को समझना होगा ताकि यह समझा जा सके कि वह कैसे निर्णय लेता है कि किसके पक्ष में मतदान करना है। चुनाव प्रक्रिया के दौरान राजनीतिक दल मतदाताओं से कई वायदे करते हैं। मतदाता विभिन्न पार्टियों के वादों को तौलते हुए पार्टी विशेष के पक्ष में मतदान करने का मन बनाते हैं। दुर्भाग्य से मतदाताओं जिनमें से अधिकांश अशिक्षित और अनभिज्ञ होते हैं, के सामने वादों को वास्तविकता में बदलने की संभावना को सत्यापित करने के लिए बहुत कम जानकारी होती है। नेता और मीडिया की विश्वसनीयता मतदाता के फैसले पर असर डालती है। कुछ मतदाता किसी विशेष पार्टी की विचारधारा का पालन करते हैं और इस आधार पर उनके प्रति प्रतिबद्ध रहते हैं। इसके अतिरिक्त धार्मिक एवं जातिगत मान्यता भी वोटर को प्रभावित करती है लेकिन पूरी व्यवस्था में सबसे बड़ी खामी यह है कि वादा पूरा न कर पाने वाले दलों की कोई जवाबदेही नहीं है।

मतदाता के पास एकमात्र उपाय यही है कि वह अगले चुनाव में अपना मन बदल दे और सरकार बदल दे। लेकिन नए वायदों पर आने वाले नए शासक की फिर वायदे पूरे न करने की कोई जवाबदेही नहीं है। आजादी के बाद भारत में सभी वर्षों के दौरान चक्रों में ऐसा होता रहा है। विडंबना यह है कि ज्यादातर सरकारें पिछली सरकार के खराब प्रदर्शन के लिए चुनी जाती हैं और अपने किसी अच्छे काम के आधार पर नहीं। स्पष्ट आंकड़े हैं जो दिखाते हैं कि सरकारें कैसे सत्ता विरोधी लहर के कारण बदली जाती हैं। इससे राजनीतिक दलों को भी संतुष्टि मिली है। वे समझते हैं कि भले ही विपक्ष में रहते हुए उन्होंने कोई अच्छा काम नहीं किया, लेकिन सत्ताधारी दल की सत्ता विरोधी लहर के कारण उन्हें सत्ता मिल जाएगी। इसके अलावा भारत में प्रमुख राजनीतिक दल हमेशा केंद्र या राज्यों में सत्ता में रहते हैं। ऐसा शायद ही कोई समय होता है जब कोई बड़ी पार्टी राज्यों और केंद्र दोनों में सत्ता से पूरी तरह बाहर हो जाती है। चुनाव हर 5 साल में आते हैं और कुछ समय तक सत्ता से बाहर रहने से पार्टियों को ज्यादा उत्साहता नहीं होती। इससे मतदाता एक दुष्चक्र में फंस गया है क्योंकि किसी को भी सत्ता खोने का डर नहीं है क्योंकि सत्ता में दोबारा आने का मौका है।

मतदाता तो सरकारें बदलता ही रहता है। हताशा में है लेकिन राजनीतिक दलों को अपने पक्ष में काम करने के लिए प्रभावित नहीं कर सकते। मतदान का एक पहलू यह भी ध्यान में रखने की जरूरत है कि पैसे या अन्य आभार के लिए वोट देने की कुप्रथा है। इससे गलत लोगों का चयन हो जाता है जो बाद में उन लोगों की परवाह नहीं करते जिन्होंने उन्हें वोट दिया था क्योंकि उन्हें लगता है कि भविष्य में उन्हें इसी तरह दोबारा वोट मिल सकते हैं। यद्यपि वोटिंग पावर तो हर मतदाता के पास है लेकिन व्यवस्था ऐसी है कि सत्ता चंद हाथों में केन्द्रित हो जाती है। हर व्यक्ति को वोट देने का अधिकार है लेकिन उसी वोट को वापस लेने का अधिकार नहीं है।

इन प्रणालीगत चुनौतियों से निपटने और मतदाताओं को सशक्त बनाने के लिए चुनाव सुधार जरूरी हैं। वापस बुलाने के अधिकार जैसे तंत्र की शुरूआत से मतदाताओं को चुनावों के बीच निर्वाचित प्रतिनिधियों को जवाबदेह बनाने में मदद मिलेगी। इसके अतिरिक्त, पार्टियों को अपने घोषणापत्र के वादों को पूरा करने के लिए कानूनी रूप से बाध्य होना चाहिए, गैर–अनुपालन के लिए दंड का प्रावधान होना चाहिए, जिसमें भविष्य के चुनावों में भाग लेने से अयोग्यता भी शामिल है। मतदाता जागरूकता और जांच को बढ़ावा देने में मीडिया, नागरिक समाज और बौद्धिक समूहों की महत्वपूर्ण भूमिका है। पार्टी घोषणा पत्रों के निष्पक्ष विश्लेषण और प्रगति की नियमित निगरानी के माध्यम से, ये संस्थान मतदाताओं को सूचित विकल्प चुनने और निर्वाचित प्रतिनिधियों से जवाबदेही की मांग करने के लिए सशक्त बना सकते हैं।

पढ़ाई के साथ कमाई

—राजेंद्र कुमार शर्मा—

उच्च शिक्षा के लिए विदेशों को पलायन करने वाले भारतीय विद्यार्थियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। अभिभावक जैसे–तैसे पैसों का प्रबंध करके अपने बच्चे को उच्च शिक्षा के लिए विदेश भेजना चाहते हैं। इसके पीछे मंशा यह रहती है कि विदेशों में विद्यार्थियों को पढ़ने के साथ–साथ सप्ताह में कुछ घंटे काम करके कमाने का विकल्प खुला रहता है। जिससे बच्चा अपने खर्च के कुछ हिस्से का स्वयं प्रबंध कर पाता है। इसके विपरीत, हमारे देश में यह सुविधा औपचारिक रूप से तो उपलब्ध नहीं है लेकिन अनौपचारिक तौर पर जरूरतमंद विद्यार्थी पढ़ने के साथ–साथ काम भी करते हैं या फिर अपने पुश्तैनी काम में अपने बड़ों का हाथ बंटाते हैं। एक प्रकार से वे परिवार को आमदनी बढ़ाने में मदद करते हैं।

पार्ट टाइम जॉब या पढ़ाई के साथ कमाई युवाओं और किशोरों को आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पढ़ाई से छुट्टी मिलने पर किशोर और युवा इनका सदुपयोग कर सकते हैं। पॉकेट मनी के साथ–साथ काम भी सीख सकते हैं। क्षेत्र चाहे कोई भी हो, काम सीख लेना ही वह जज्बा है, जो व्यक्ति को हर जगह सफलता दिलवाता है। अगर आपमें काम के प्रति अटूट लगन व श्रद्धा पैदा होगी, तो वह हर मुश्किल काम को आसान करने में आपकी सहायता करेगी।

पढ़ाई के दौरान छुट्टियां मिलती हैं तो कुछ दिन वैसे ही बीत जाते हैं। ऐसे में बड़े बच्चों के लिए जरूरी है कि कोई समर जॉब जैसी राह ढूंढें। इससे वे कम उम्र में ही स्वावलंबी बनते हैं। इसके लिए समाचार पत्र देखते रहें। कहीं पार्ट टाइम जॉब की जगह निकलती है तो कहीं ट्रेनिंग का काम भी मिल सकता है। आजकल के किशोरों और युवाओं के पास कंप्यूटर और मोबाइल जैसे गैजेट्स की अच्छी जानकारी उपलब्ध है। वे संस्थानों से काम लेकर, घर से भी अपने कंप्यूटर से जॉब वर्क कर सकते है और अपने लिए सीखने के साथ आमदनी भी कर सकते हैं।

जब अभिभावक पैसों की अहमियत के बारे में बच्चों को कोई सीख देते हैं तो शायद बच्चों को समझ में न आए, पर वे जब स्वयं कुछ पैसा कमाने लगते हैं, तब पैसों की अहमियत समझने लगते हैं। कहां खर्च जरूरी है, कहां बचाना है, इस बात का पता छोटी उम्र में समझना आज की अहम जरूरत है। अपनी बचाई कमाई, आप भविष्य में अपनी ही पढ़ाई पर खर्च कर सकते हैं। किताबें, नोट्स आदि खरीद सकते हैं तथा माता पिता का आर्थिक बोझ भी कम कर सकते हैं।

यूं तो कमाने की एक उम्र होती है, पर अब जमाना बदल गया है। इस नए दौर में कमोबेश सारी परंपराओं की परिभाषाएं बदलती जा रही हैं। इसीलिए सवाल उठने लगा है कि कॉलेज में पढ़ने वाले बच्चे पार्टटाइम जॉब या पढ़ाई करते हुए, क्यों न कुछ साइड जॉब करके, कुछ आय अर्जित करें। जो उनकी पॉकेट मनी की जरूरत को पूरा कर सके और साथ ही पढ़ाई का खर्च भी उठा सके। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों में जहां एक से अधिक बड़े बच्चे कॉलेज की पढ़ाई कर रहे हों, वहां इस तरह की आर्थिक मदद ज्यादा मायनेरखती है।

कॉलेज में पढ़ने वाले किशोरों या युवाओं को पार्ट टाइम जॉब के तौर पर जरूरी नहीं है कि किसी बड़ी कंपनी या बड़े पद पर कार्य करने का अवसर मिले। दरअसल, पार्ट टाइम काम छोटे–मोटे, लघु अवधि के लिए होते हैं। अतः जरूरी हो जाता है कि युवा ऐसे काम के प्रति सम्मानजनक नजरिया अपनाए क्योंकि कोई काम छोटा या बड़ा नहीं होता। पार्ट टाइम जॉब या कार्य में काम के इच्छुक और काम करवाने वाले दोनों की जरूरत पूरी होती है, पर सीखने का भरपूर अवसर मिलता है, जो जीवन में उपयोगी होने के साथ–साथ हमेशा के लिए अतिरिक्त आय का साधन बन सकता है।

सातवीं के छात्र की गला काटकर हत्या

संवाददाता—गोण्डा। सातवीं के एक छात्र की बेरहमी से गला काटकर हत्या कर दी गई। उसकी लाश मिलने से गांव भर में मातम पसरा है। मनीष यादव नाम का ये छात्र शनिवार की रात में एक तिलक समारोह में शामिल होने गया था। समारोह से रात एक बजे के करीब घर लौटा। कुछ समय बाद वह घर से दो सौ मीटर की दूरी पर शौच के लिए गया। इसी दौरान अज्ञात लोगों ने बड़ी बेरहमी से उसकी हत्या कर दी। मनीष का गला, धड़ से अलग था। चेहरे पर चोट के कई निशान थे। दोनों हाथों पर भी कई जगह चोट के निशान थे।

घटना गोंडा के इटियाथोक कोतवाली क्षेत्र का है। सातवीं के छात्र की हत्या की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच–पड़ताल शुरू कर दी है। एसपी विनीत जायसवाल का कहना कि घटना के बारे में अहम सुराग हाथ लगे हैं। आरोपी जल्द पुलिस की गिरफ्त में होंगे। इटियाथोक कोतवाली क्षेत्र के दलपतपुर खटकिनपुरवा के हनुमान प्रसाद यादव के 15 वर्षीय बेटा मनीष यादव की लाश घर से कुछ ही दूरी पर बाग की कोठी के पास मिली। शनिवार रात उसकी हत्या कर दी गई। जानकारी मिलते ही पूरे गांव में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची कोतवाली इटियाथोक की पुलिस ने जांच पड़ताल कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मनीष यादव गुरुकुल विद्या पीठ गोपालपुर में कक्षा 7 का छात्र था। मनीष यादव शनिवार की रात घर के बगल तिलक समारोह में शामिल हुआ। देर रात एक बजे के करीब वह घर आया। इसके बाद घर से 200 मीटर दूर खेत में शौच के लिए गया था। इसी दौरान उसकी अज्ञात लोगों ने हत्या कर दी। किशोर मनीष यादव का गला धड़ से अलग पाया गया। चेहरे पर चोट के कई लम्बे निशान दिख रहे हैं। दोनों हाथ भी कई जगह चोटिल दिखे। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने घटनास्थल पर पहुंचकर जायजा लिया। उन्होंने पीड़ित परिवार से मिलकर घटना की पूरी जानकारी ली।

उन्होंने बताया कि हत्याकांड के खुलासे के लिए डाग स्क्वायड और फॉरेंसिक टीम के साथ एसओजी टीम को भी लगाया गया है। प्रभारी निरीक्षक इटियाथोक विवेक त्रिवेदी ने बताया कि गांव के कुछ संदिग्ध लोगों से पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा कि जल्द ही हत्याकांड का खुलासा कर दिया जाएगा।

राजनीतिक दल व प्रत्याशी से नहीं लेंगे सहयोग–एसपी

संवाददाता—श्रावस्ती। प्रदेश में लोकसभा मतदान शुरू हो गए हैं। दूसरे चरण का मतदान कराने के लिए श्रावस्ती से पुलिस बल को मेरठ जनपद भेजा गया। एसपी ने रवानगी से पहले सभी पुलिस कर्मचारियों को ब्रीफ कर जरूरी निर्देश दिए। मेरठ में होने वाले लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान के लिए श्रावस्ती की पुलिस टीम की ड्यूटी लगाई गई है। जिसमें दूसरे शिफ्ट में 16 मुख्य आरक्षी व आरक्षी को चुनाव में सहयोग के भेजा गया। रविवार को पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने रिजर्व पुलिस लाइन भिनगा से हरी झंडी दिखाकर पुलिस जवानों को मेरठ के लिए रवाना किया गया। रवानगी से पहले एसपी ने सभी कर्मचारियों को ब्रीफ किया। उन्होंने निर्देश दिया कि चुनाव ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मचारी किसी भी पार्टी या उम्मीदवार की तरफ से उपलब्ध कराए गए चाय व भोजन को स्वीकार नहीं करेंगे। मतदान के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखना व मतदान केंद्र की सुरक्षा को सुनिश्चित करना पुलिस का पहला कार्य होगा। चुनाव के दौरान किसी भी तरह की अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। जिससे दूसरे जिले में श्रावस्ती पुलिस की छवि खराब हो। मतदान के दौरान अगर किसी भी बूथ पर किसी तरह का विवाद होने की संभावना हो तो संबंधित अधिकारियों व टीम इंचार्ज को तुरंत सूचना दें। ताकि स्थिति को समय रहते सम्हाला जा सके। उन्होंने सभी पुलिस कर्मियों को निर्धारित समय में अपनी आमद कराने के बाद ड्यूटी प्वाइंट पर पहुंचने की नसीहत दी। इस मौके पर एएसपी प्रवीण कुमार यादव, सीओ सतीश कुमार शर्मा, प्रतिसार निरीक्षक अखिलेश कुमार, प्रभारी निरीक्षक चुनाव सेल गौरव सिंह आदि मौजूद रहे।

कार की टक्कर में बाइक चालक की मौत

संवाददाता—महराजगंज। बारात से घर लौट रहे बाइक सवार की एक कार से जोरदार टक्कर हो गई। इस घटना में बाइक चालक की मौत हो गई। युवक की मौत से घर वालों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया है। पुलिस ने कार को कब्जे में लिया है। घुघली क्षेत्र के बिरइचा निवासी विनोद साहनी शनिवार को गांव से अमहवा बारात गया था। रात में भोजन करने के बाद वह बारात से घर वापस लौट रहा था। रात करीब 11 बजे नगर पालिका महराजगंज के फरेंदा रोड स्थित रामजानकी मंदिर के पास पहुंचा था कि सामने से आ रही कार ने बाइक में टक्कर मार दिया। विनोद बाइक से गिरकर सड़क पर बेहोश हो गया। स्थानीय लोगों के साथ पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने कार को कब्जे में लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। विनोद की मौत की सूचना मिलने पर बिरइचा गांव में मातम हो गया। जिला अस्पताल पहुंचे परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया है।

विनोद साहनी शनिवार को दोपहर में पत्नी और बच्चों को ससुराल धमहा छोड़ने गया था। पत्नी और बच्चों को क्या पता था कि विनोद से उनकी अंतिम मुलाकात है। ससुराल से वह बाइक से गांव से अमहवा गई बारात में शामिल हुआ। वहां से वह घर बिरइचा लौट रहा था कि सड़क हादसा में उसकी मौत हो गई। विनोद तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। पति की मौत की सूचना पर ससुराल से उसकी पत्नी चारों बच्चों के साथ अस्पताल पहुंची। तीन बेटियों और सात माह के बेटे को देख बेहोश हो जा रही थी। बुजुर्ग पिता मोतीलाल रह–रहकर होश हवाश खो दे रहे थे। बुजुर्ग पिता और पत्नी व मासूमों को देख हर कोई अपने आंसू नहीं रोक पा रहे थे। राहुल शुक्ला, सदर कोतवाल ने कहा कि कार को कब्जे में ले लिया गया है। तहरीर के आधार पर कार मालिक व चालक के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच–पड़ताल शुरू कर दी गई है।

गैस सिलेंडर से लगी आग, दो रिहायशी झोपड़ी खाक

संवाददाता—देवरिया। थाना क्षेत्र के चौबरियापट्टी गांव में शनिवार की देर रात गैस रिसाव से लगी आग में दो रिहायशी झोपड़ी जलकर खाक हो गई। उसमें रखा घर गृहस्थी का सारा सामान जल कर खाक हो गया, जिसमें अनाज ,कपड़ा आदि के साथ ही चार बकरियों भी आग की भेंट चढ़ गई । सूचना के बाद भी अग्नि शमन विभाग की गाड़ी नहीं पहुंची। बरियारपुर थाने की पुलिस मौके पर आग बुझाने के प्रयास में जुटी रही ।

चौबरियापट्टी निवासी रुदल राजभर के घर देर रात गैस पर भोजन बन रहा था । इसी दौरान पाइप से गैस रिसाव होने लगा, जिससे आग गैस सिलेंडर में पकड़ लिया। फिर देखते देखते आग झोपड़ी पकड़ लिया। वहीं रुदल के भाई बीरबल का सिलेंडर रखा था उसमें भी आग पकड़ लिया। इसमें लाखों रुपए के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है।

बारात में आतिशबाजी के दौरान हाथ में दगा गोला

संवाददाता—बहराइच। श्रावस्ती जिले के गिलौला इलाके के सुविखा गांव में आई बारात में आतिशबाजी करने गए व्यक्ति के हाथ में अचानक गोला दग गया। जिससे उसके एक हाथ के पंजे के चीथड़े उड़ गए। आनन– फानन में घायल को क्लीनिक पर लाने पर उसे चिकित्सक ने जिला अस्पताल बहराइच रेफर कर दिया। जहां प्राथमिक इलाज के बाद चिकित्सकों ने हालत अत्यन्त गंभीर होने पर ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया है। पयागपुर थाने का भूपगंज बाजार के सफलूपुरवा निवासी रामकरन पुत्र पुत्ती लाल बड़का गांव से श्रावस्ती जिले के गिलौला थाने के सुविखा में शनिवार रात आई बारात में आतिशबाजी चला रहे थे। बारात के आगे आतिशबाजी के दौरान गोला में आग लगाकर फेंक ही रहे थे, तभी गोला दाहिने हाथ में फट गया। जिससे उनके पंजे के चीथड़े उड़ गए। गंभीर हालत में उनको गिलौला स्थित सीएचसी ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने जिला अस्पताल बहराइच रेफर कर दिया। चिकित्सकों ने तत्काल प्राथमिक इलाज कर घायल को ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया है।

आग से 25 घर जले, 50 लाख से अधिक का नुकसान

संवाददाता—श्रावस्ती। अग्निकांड की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। रविवार को दो अलग अलग स्थानों पर लगी आग में 25 घर के साथ ही 15 बीघे गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। सूचना पर पहुंची दमकल टीम ने ग्रामीणों के साथ मिलकर आग पर काबू पाया। सिरसिया थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत घोलिया कला के मजरा जगन्नाथ पुरवा में रविवार दोपहर में अज्ञात कारण से आग लग गई। हवा तेज चल रही थी जिसके कारण आग तेजी से बढ़ने लगी और एक के बाद एक घरों को अपनी आगोश में लेती चली गई। देखते ही देखते 25 घर आग की जद में आ गए और धूं धूं कर जलने लगे। ग्रामीण मौके पर इकट्ठा होकर आग बुझाने की कोशिश करते रहे लेकिन आग ने बिकराल रूप धारण कर लिया और चारों ओर आग की लपटों के आगे लोग बेबस नजर आए। ग्राम प्रधान ने घटना की सूचना दमकल विभाग को दी। सूचना पर अग्निशमन अधिकारी संजय जायसवाल दमकल टीम के साथ फायर ब्रिगेड वाहन लेकर जगन्नाथ पुरवा गांव पहुंचे और टीम आग बुझाने में जुट गई। दमकल कर्मियों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर करीब चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक 25 घर जलकर राख हो गए। गांव निवासी फुलकरन का छप्पर, टीनशेड के साथ पंपिग सेट व अनाज समेत सारा सामान जल गया। इसी तरह राम कुमार, राम सागर, राम स्वरूप का फूस का मकान व घर में रखा अनाज समेत सारा सामान जल गया। इसी तरह लक्ष्मी, उदयराम, हीरालाल का मकान राख हो गया। नीबर के घर में रखा 30 हजार रुपये नकदी समेत पानी इंजन, गेहूं, कपड़ा व बिकाऊलाल, ननके तथा रमेश का फूस का मकान समेत सारा सामान जलकर राख हो गया। धनीराम का 32 हजार रुपये नकदी समेत घर में रखा सामान, बड़कऊ, रामकरन, मिठाईलाल का घर आग से जल गया। विनोद कुमार का 10 हजार रुपये नकदी समेत सारा सामान, राम चन्दर का दो साइकिल व सारा सामान, मंशाराम का साइकिल, पानी इंजन समेत घर का सारा सामान खाक हो गया। इसी तरह से राम कुमारी का पांच हजार रुपये नकदी के साथ घर का सामान जल गया। वहीं राम समुझ, राजितराम, भाईलाल, मालिकराम व खुशीराम का फूस घर जलकर राख हो गया। जिसमें करीब 50 लाख रुपये के नुकसान का अनुमान है। सिरसिया थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत सिरसिया में अज्ञात कारण से खेतों में आग लग गई। देखते ही देखते आग तेजी से कई किसानों के खेतों में फैल गई और गेहूं की फसल धूं धूं कर जलने लगी। मौके पर पहुंचे ग्राम प्रधान ने दमकल विभाग को सूचित किया। वहीं ग्रामीण आग बुझाने में जुट गए। दमकल टीम ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों के साथ आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक लाजवंती पत्नी कृपाराम, मंगल पुत्र सालिकराम, सुघरा पत्नी सियाराम, ज्वाला पत्नी धीरान व तेजा पुत्र रामहित समेत पांच किसानों की 15 बीघे गेहूं की फसल जलकर राख हो गई।

सीडब्ल्यूसी के आदेश पर पुलिस ने बाल विवाह रुकवाया

संवाददाता—बहराइच। कोतवाली मूर्तिहा के ग्राम अहिरन पुरवा में एक अशिक्षित परिवार की ओर से अपनी 14 वर्षीय किशोरी का रविवार को विवाह किया जा रहा था। इसकी सूचना मिलने पर सीडब्ल्यूसी न्यायपीठ अध्यक्ष सतीश कुमार श्रीवास्तव ने मूर्तिहा के प्रभारी निरीक्षक को आदेश देकर बाल विवाह रुकवाया। इससे एक मासूम बालिका कम आयु में विवाह बंधन में बंधने से बच सकी। चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 फोन नंबर पर यह सूचना मिली कि ग्राम अहिरनपुरवा में एक अवयस्क बालिका का विवाह कराया जा रहा है। इसकी सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन की ओर से बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष को दी गई, जिस पर अध्यक्ष ने कोतवाली मूर्तिहा के प्रभारी को तत्काल आदेश पत्र भेजा गया कि यह बाल–विवाह तत्काल रुकवा दें। इस पर तात्कालिक कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी ने पुलिस दरोगा छोटेलाल के नेतृत्व में पुलिस दल भेजकर बाल विवाह रुकवाया। संबंधित बालिका के माता–पिता से इस आशय की अंडरटेकिंग ली गई कि वह अपनी बालिका का विवाह उसके बालिग होने पर ही करेंगे।

जैन समाज ने मनाया महावीर जयंती

संवाददाता—गोंडा। शहर के भगवान स्वामी महावीर की 2623 वीं जयंती पर जैन समाज ने बड़गांव पुलिस चौकी के निकट कार्यक्रम का आयोजन किया। दीप प्रज्ज्वलित कर इसका शुभारंभ किया गया। विधिवत पूजा–अर्चना करके प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम में दीनदयाल जैन, धर्म प्रकाश जैन, मोहित जैन, निकेतन जैन, सौरभ जैन, राजू जैन, अरिहंत जैन, निर्मल जैन, रोहित जैन, ललित जैन, पारस जैन सहित अन्य मौजूद रहे।

पांच प्रत्याशी खुद को नहीं दे पाएंगे वोट, जहां लड़ते हैं चुनाव वहां नहीं है उनका पता-ठिकाना

संवाददाता—बलरामपुर। राजनीति में मुकाम के लिए समीकरण के हिसाब से सियासतदान क्षेत्र तय करते हैं। समीकरण के लिहाज से ही सुरक्षित क्षेत्र चुनकर संसद पहुंचने की लालसा में कदम बढ़ाते हैं। अपना क्षेत्र छोड़कर दूसरे जिले में भी शरण लेते हैं। श्रावस्ती संसदीय क्षेत्र के साथ ही मंडल की अन्य सीटों पर मैदान में उतरे सियासी सूरमा खुद को वोट नहीं दे पाएंगे, कारण वह दूसरे क्षेत्र में मतदाता हैं। वहां वह किसी और को चुनेंगे, जबकि जहां लड़ रहे हैं वहां दूसरों के सामने झोली फैलाए हैं। देवीपाटन मंडल के चार में से तीन संसदीय क्षेत्रों में भाजपा व सपा के छह प्रत्याशी मैदान में हैं। इनमें चार ऐसे हैं जो जहां से लड़ रहे हैं वहां के मतदाता ही नहीं हैं। ऐसे में वे खुद का या परिवार के सदस्यों का मत नहीं पा सकेंगे। श्रावस्ती संसदीय सीट पर ही गौर करें तो अब तक के घोषित दोनों प्रत्याशी गैर जिले से ताल्लुक रखते हैं। भाजपा के साकेत मिश्र का ननिहाल भले ही श्रावस्ती में है, लेकिन वह देवरिया जिले के मूल निवासी हैं। अलबत्ता उनकी कर्मभूमि श्रावस्ती ही रही है। यहां उन्होंने लगातार सामाजिक कार्य किया है। इसी तरह सपा प्रत्याशी राम शिरोमणि वर्मा जो यहां के मौजूदा सांसद हैं, वह भी अंबेडकरनगर जिले के निवासी हैं। ये दोनों प्रत्याशी अपने जिले में जहां दूसरे को चुनेंगे, वहीं खुद को वोट देने से वंचित रहेंगे। बहराइच में सपा प्रत्याशी रमेश गौतम भी गोंडा जिले के हैं। वह 2007 में विधायक भी रह चुके हैं। उस समय भी वह गोंडा के डिक्सिर विधानसभा (अब तरबगंज) से चुनाव लड़े थे, जबकि निवासी कटरा बाजार विधानसभा के रहे। इसके बाद वह मनकापुर से चुनाव लड़े। कभी खुद को वोट नहीं दे सके। गोंडा संसदीय सीट से सपा प्रत्याशी श्रेया वर्मा भी बाराबंकी जिले की रहने वाली हैं। राजनीति में बाहरी नेताओं को सफलता मिली तो अन्य को भी राह मिली। भले ही खुद को वोट नहीं कर सके, लेकिन अटल बिहारी वाजपेयी और नानाजी देशमुख सरीखे नेता बलरामपुर संसदीय सीट (अब श्रावस्ती) से ही सदन तक पहुंचे। यह सिलसिला आगे भी कायम रहा। ऐसे ही गोंडा, कैसरगंज व बहराइच संसदीय सीटों से भी बाहर के लोगों ने सदन में कदम रखा। इसके बाद से एक दौर ही चल रहा है। संसदीय चुनाव में क्षेत्र तय करने में पार्टियां हर समीकरण साधती हैं। पहला तो जातीय समीकरण अहम होता है, वहीं पार्टियों में दावेदारों की पकड़ भी काम आती है। श्रावस्ती में सजातीय मतदाताओं की बाहुलता के साथ ही पार्टी में अच्छी पकड़ से साकेत मिश्र को टिकट मिला। सपा के राम शिरोमणि वर्मा को सजातीय मतदाताओं के साथ ही मौजूदा सांसद होने का लाभ मिला। इसी तरह बीते 2019 के चुनाव में कैसरगंज से विधायक व प्रदेश सरकार में मंत्री रहे मुकुट बिहारी वर्मा को भाजपा ने अंबेडकरनगर से प्रत्याशी बनाया था, जहां कुर्मी वोटरों को साधने की कोशिश की गई थी।

हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर महाराष्ट्र ले गई पुलिस

संवाददाता—श्रावस्ती। गिलौला थाना क्षेत्र के ग्राम घेरमा परसिया निवासी मीरा पत्नी पंकज कश्यप ने पति की मौत पर हत्या की आशंका जताई है। साथ ही गांव के ही कुछ लोगों के विरुद्ध आरोपित तहरीर महाराष्ट्र में स्थानीय पुलिस को दिया था। जिसके बाद पुलिस आरोपी को श्रावस्ती से गिरफ्तार कर महाराष्ट्र ले गई। मीरा ने तहरीर में कहा कि उसका पति पंकज कश्यप (30) पुत्र मोती महाराष्ट्र के पूना जिला स्थित कुंडवा थाना क्षेत्र में रहकर मजदूरी करता था। दो माह पहले वह गांव आया था और मीरा को साथ ले गया था। वहां गांव के ही सुरेश के साथ चार लोग साथ रहते थे। जिनसे रुपये के लेनदेन को लेकर विवाद हो गया था। 16 अप्रैल को पति पंकज काम पर जा रहा था तो उसके साथियों ने उसका पीछा किया। जिसकी उसी रात हत्या कर दिया गया है। घटना के बाद सुरेश पुत्र मनीराम गांव भाग आया था। सुरेश की तलाश में महाराष्ट्र से पुलिस टीम घोरमा परसिया पहुंची। जहां से सुरेश को गिरफ्तार करके अपने साथ ले गई है। वहीं पुलिस मुंबई में रह रहे गांव के अन्य साथियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

डीजे बंद कराने गए युवक की चाकू मारकर हत्या

संवाददाता—देवरिया। जिले के गौरीबाजार थाना के हरेरामपुर में वैवाहिक कार्यक्रम में बज रहे डीजे बंद कराने पर शनिवार की रात चचेरे भाई ने ही चाकू मार दिया। जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के लिए बीआरडी मेडिकल कालेज गोरखपुर में भर्ती कराया गया, जहां रविवार की सुबह युवक की मृत्यु हो गई। युवक की मृत्यु की सूचना मिलते ही सीओ समेत अन्य अधिकारी घटना स्थल पर पहुंचे और जांच की। हालांकि अभी तक आरोपित की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। गांव के संगम सिंह की बेटी सीमा की बरात गौरीबाजार के करमहां से शनिवार की रात बरात आई। दरवाजे पर डीजे लगाया गया था। शादी की रस्में रात को एक बजे चल रही थी। इस बीच सीमा के चाचा के बेटे 25 वर्षीय बृजनंदन सिंह डीजे बंद कराने के लिए गए। इसी को लेकर डांस कर रहे युवक विवाद करने लगे।

आरोप है कि बृजनंदन के चचेरे भाई ने चाकू मार दिया। जिससे लहूलुहान होकर बृजनंदन गिर गया। उपचार के लिए उसे महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज पहुंचाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद बीआरडी मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया। दोपहर को उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। सूचना पर सीओ रुद्रपुर अंशुमन श्रीवास्तव पहुंचे और जांच की। आरोपित रात से ही फरार बताया जा रहा है। कई दिनों से परिवार में मंगलगीत हो रहा था। शादी के समय भी मंगलगीत गाये जा रहे थे। शादी के दो दिनों बाद सीमा की विदाई थी। अचानक युवक की हुई हत्या के बाद परिवार में मातम छा गया है।

अग्निकांडों में चार फूस मकान व 20 बीघा फसल खाक

संवाददाता—बलरामपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के चौधरीडीह, सोनपुर, पूरनपुर व ठाकुरपुरवा गांव में रविवार दोपहर अग्निकांड की चार घटनाएं हुई हैं। चार फूस मकान, एक पशुशाला व 20 बीघा फसलें जलकर खाक हुई हैं। बरहवा व बनकटवा जंगल में एक सप्ताह से लगी आग पर काबू नहीं पाया जा सका है। जंगल की आग अब गांवों की ओर बढ़ने लगी है, जिससे ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। अग्निकांड में गृहस्थी के साथ–साथ नकदी व जेवरात भी जले हैं। अग्निकांड की पहली घटना थाना क्षेत्र के चौधरीडीह गांव में दोपहर एक बजे हुई है। मोहम्मद आजाद के घर से अचानक आग की लपटें उठने लगीं। आग लगने के कारण का पता नहीं चल सका। गांव में आग फैलता देख ग्रामीणों में भगदड़ मच गई। देखते ही देखते आग ने अकरम का घर व मोहम्मद उमर की पशुशाला को चपेट में ले लिया। आजाद व अकरम रिश्तेदारी में गए थे। कुछ उत्साही युवकों ने हौसला दिखाया। पंपसेट चालू कर आग बुझाने की कोशिश शुरू की। उनके आगे आने पर ग्रामीण भी उत्साहित हो गए। सभी ने मिलकर एक घंटे में आग को फैलने से रोक लिया। सूचना पाकर आजाद व अकरम भी घर लौट आए। आजाद ने बताया कि उनके घर में 30 हजार रुपया नकद रखा था, जो आग की भेंट चढ़ गया। इसी तरह अकरम का 15 हजार रुपया जला है। दोनों के पास खाने को अनाज व पहनने के लिए वस्त्र नहीं बचा है। सम्बन्धित लेखपाल ने गांव पहुंचकर क्षति का आंकलन किया है। दूसरी घटना सोनपुर के मजरे लोनियनपुरवा गांव में दोपहर सवा एक बजे हुई है। उमेश चौहान के घर अज्ञात कारणों से आग लग गई। गनीमत यह थी कि उमेश का घर गांव के बीच में बना है। हवा का दबाव नहीं बना जिससे मौके पर पहुंचे अग्निशमन कर्मियों व पुलिस के सहयोग से ग्रामीणों ने आग पर काबू पा लिया। उमेश चौहान की गृहस्थी अग्किांड में चौपट हो गई है। उनके पास रहने का ठौर नहीं बचा है। स्थानीय थाना क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम पंचायत टेढ़ीप्रास निवासी बरसाती पुत्र गुल्ले ने दोपहर दो बजे रघुवंशपुरवा गांव के पश्चिम खेत में पड़ा कूड़ा जला दिया। कूड़े की आग उड़क खेतों में जाने लगी तो बरसाती की हालत खराब हो गई। उन्होंने आग बुझाने की कोशिश की लेकिन कामयाबी नहीं मिली। आग की चपेट में आकर टेढ़ीप्रास के सुरेश, कैलाश व श्रवण का 15 बीघा गन्ना पेड़ी धू–धूकर जलने लगी। आग बढ़कर कमदा निवासी मैनुद्दीन के खेत तक पहुंच गई। उनका लगभग छह बीघा गेहूं जलकर खाक हो गया। ग्राम प्रधान अक्षय कुमार वर्मा ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। दमकल कर्मियों ने ग्रामीणों की मदद से आग को रघुवंश पुरवा तक फैलने से रोक लिया।

जीवन के लिए जरूरी है आक्सीजन और हरी भरी धरती

संवाददाता—श्रावस्ती। पृथ्वी ही हमारा एकमात्र घर है और इसका स्वास्थ्य और स्थिरता मानव जीवन के लिए महत्वपूर्ण है। यदि पृथ्वी पर जलवायु सामान्य है तो ही जीवन है और यदि कुदरत इसमें बदलाव करती है तो पूरी मानव सभ्यता पलक झपकते ही लोप हो सकती है। लेकिन त्रासदी यह है कि इस मुद्दे पर गहरा चिंतन और अहम घोषणाएं तो होती हैं लेकिन धरती पर हालात दिनों दिन बदतर होते चले जा रहे हैं। कुदरत हमें बार–बार चेतावनी दे रही है लेकिन बेमौसमी बरसात, बर्फबारी, बाढ़ और सूखे जैसे हालात देखने के बाद भी हम इन चेतावनी भरे कुदरती संदेशों की अनदेखी ही करते चले जा रहे है। अगर अब भी नहीं समझे तो भयानक परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। विडंबना यह है कि यदि धरती पर जीवन ही नहीं होगा तो फिर यह प्रगति, पैसा और ताकतवर से ताकतवर बनने की पूरी दुनिया में मची हुई होड़ का मतलब ही नहीं रहेगा। इसी मुद्दे को लेकर हर साल 22 अप्रैल को दुनिया भर के लोग विश्व पृथ्वी दिवस मनाते हैं। जिससे जागरूक होकर पृथ्वी के अस्तित्व की रक्षा की जा सके। साल दर साल बढ़ते तापमान, प्राकृतिक संसाधनों को नष्ट कर खुद की जरूरतों को पूरा करना जैसे तमाम कार्य ऐसे हैं जो हमें धीरे धीरे प्रकृति से दूर कर रहे है। जिसका दुष्परिणाम आने वाले समय में हमारी पीढ़ी को भुगतना पड़ेगा। एसी, फ्रिज, हीटर, गीजर, माइक्रोवेव, गाड़ी यह सब मिलकर मौसम पर कहर ढा रहे हैं। सुख सुविधाओं के यह सभी साधन धरती के तापमान बढ़ाने में काफी हद तक जिम्मेदार हैं। बीते तीन साल के आंकड़ों पर नजर डाले तो वर्ष 2022 में जिले का तापमान 41 डिग्री तक पहुंचा था। वहीं वर्ष 2023 में एक डिग्री सेल्सियस की बढ़ोत्तरी के साथ 42 डिग्री रहा था। लेकिन इस साल अप्रैल महीने में ही 41 डिग्री तापमान दर्ज किया गया है। अभी गर्मी के पांच महीने से अधिक का समय बाकी है और जून का महीना सबसे गर्म माना जाता है। ऐसे में अप्रैल महीने में ही जिले के तापमान की स्थिति यह तो आगे अभी तापमान में बढ़ोत्तरी दर्ज की जाएगी। वेसे तो श्रावस्ती में एसी की खपत कम है। सरकारी कार्यालयों के साथ ही शहरी इलाकों में एसी अधिक लगी है। भिनगा और इकौना नगर में करीब पांच प्रतिशत एसी का उपयोग बढ़ गया है। भिनगा नगर में 250 मकानों की संख्या बढ़ी है।

पृथ्वी को हरा भरा बनाने व पर्यावरण की रक्षा करने को हर साल श्रावस्ती में लाखों पौधे रोपे जाते हैं। आंकड़ों पर नजर डाले तो साल 2021 में पौधरोपण अभियान में विभिन्न प्रजातियों के 57.16 लाख पौधे लगाए गए थे। 2022 में 63 लाख 47 हजार 733 पौधरोपण का लक्ष्य रखा गया था। जिसमें वन विभाग की ओर से 42 लाख 23 हजार 300 पौधे व अन्य विभागों को 21 लाख 24 हजार 433 पौधे रोपने की जिम्मेदारी मिली थी। इसी तरह 2023 में 41 लाख 37 हजार 100 पौधरोपण का लक्ष्य रखा गया। इसके बाद भी पौधरोपण के हिसाब से जिले में हरे पेड़ों संख्या नहीं दिखती।

प्राणवायु ऑक्सीजन का भंडार इन्हीं वृक्षों की मातहत होता है। जिसके बिना इंसान का जीवित रहना संभव नहीं है। पेड़–पौधे ही ईंधन भंडार का निर्माण करते हैं। पेड़ के पत्ते अपने आप झड़कर इधर–उधर बिखरकर अन्य वनस्पतियों को खाद देते हैं। रोजमर्रा के जीवन जरूरतों के लिए कागज हेतु कच्ची सामग्री उपलब्ध कराते हैं। पेड़ पर्यावरण के बड़े रक्षक हैं। लेकिन श्रावस्ती में दिनों दिन वनों का दायरा सिमटता रहा है। जिसका सबसे बड़ा कारण वनों में हो रहे पेड़ों के अवैध कटान है। आए दिन वन विभाग जंगलों से अवैध कटान की लकड़ियां पकड़कर कार्रवाई करता है। इसके अलावा लकड़ी ठेकेदार भी बिना अनुमति धरातल से हरे पेड़ों को काटकर धरती को वीरान बना रहे हैं।

नियुक्त हुए मास्टर ट्रेनरों को दिया गया प्रशिक्षण

संवाददाता—श्रावस्ती। लोकसभा सामान्य निर्वाचन को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए नियुक्त हुए मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही उन्हें ईवीएम, वीवीपैट की के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही सभी सकुशल चुनाव को सम्पन्न कराने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी कृतिका शर्मा की अध्यक्षता में लोकसभा चुनाव को लेकर जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर की ओर से नियुक्त मास्टर ट्रेनरों को कलेक्ट्रेट सभागार में ईवीएम, वीवी पैट का प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें उन्हें मतदान प्रतिशत संकलन एप, सम्पूर्ण मतदान प्रक्रिया व ईवीएम के बारे में संपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही मास्टर ट्रेनरों को निर्वाचन संबंधित कार्यपद्धति के बारे में समझाया गया। डीएम ने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने में मास्टर ट्रेनरों की भूमिका अहम होती है। इसलिए ईवीएम, वीवी पैट मशीनों के माध्यम से मतदान प्रक्रिया को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए सभी अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्वाचन आयोग की ओर से जारी दिशा–निर्देशों व पत्रों का अवलोकन करते रहें। उन्होंने बताया कि मतदान समाप्ति के बाद वीवी पैट की बैटरी निकाल लेंगे और इसे संग्रहण स्थल पर जमा करेंगे। मॉकपोल करने के बाद कन्ट्रोल यूनिट को क्लियर अवश्य करें तथा वीवीपैट के ड्राप बाक्स में गिरी मॉकपाल की पर्ची को निकाल कर उसके पीछे मुहर लगाकर इसे काले लिफाफे में रखकर सील करेंगे। फिर इसे प्लास्टिक के डिब्बे में रखकर पिंक पेपर से सील करेंगे। इस मौके पर एडीएम अमरेन्द्र कुमार वर्मा, उप निदेशक कृषि कमल कटियार, जिला कृषि अधिकारी अनिल प्रसाद मिश्र आदि मौजूद रहे।

कार की टक्कर से बाइक सवार तीन युवक घायल

संवाददाता—श्रावस्ती। तिलक समारोह में भोज के लिए बाइक से पनीर लेने जा रहे तीन युवकों को गलकारा मोड़ पर तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार तीनों युवक घायल हो गए। दुर्घटना होते ही चालक वाहन छोड़कर भाग गया। पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेज दिया है। हरदी थाने के सिकंदरपुर के मजरे मक्कापुरवा में एक घर में रविवार को युवक का तिलक समारोह होना था। जिसको लेकर शनिवार रात मक्का पुरवा निवासी रोहित पुत्र रामजी, संतोष पुत्र तिलक राम, तीरथ पुत्र देव नारायण बाइक से नथुआपुर बाजार आर्डर किए गए पनीर को लाने जा रहा था। गलकारा मोड़ के पास जैसे ही बाइक पहुंची। विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार कार ने बाइक में टक्कर मार दी। इस हादसे में तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। आस–पास के लोग दौड़े, और पुलिस व एंबुलेंस को सूचना दी। घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेज दिया गया।

आशीर्वाद लेना पड़ गया भारी, दो पक्षों में जमकर चली लाठियां, खून से लथपथ हुए कई लोग

संवाददाता—गोरखपुर। गोला क्षेत्र के पांडयपार उर्फ डड़वापार हाईस्कूल में पास होने पर चाचा के घर आशीर्वाद मांगने जाना युवक को महंगा पड़ गया। दूसरे पक्ष के युवक के फेल होने से नाराज परिजनों ने हमला कर दिया। इसपर दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई। मारपीट में दोनों पक्ष से कई महिला और पुरुष घायल हो गए।

जिले के गोला बाजार क्षेत्र के पांडेयपार उर्फ डडवा में यूपी बोर्ड का रिजल्ट आते ही खूनी संघर्ष हो गया। हाईस्कूल की परीक्षा पास करने वाले भतीजे ने प्रणाम किया तो चाचा फायर हो गए।चाचा के बेटे के फेल होने के कारण प्रणाम उनको अच्छा नहीं लगा और बात बिगड़ गई। दोनों पक्षों से लाठियां निकल आई, जमकर ईंट—पत्थर चल गए। इसमें छह लोग जख्मी हो गए। किसी ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस फोर्स ने किसी तरह दोनों पक्षों को अलग किया और घायलों को अस्पताल भेजा। किसी का सिर फटा है तो किसी की कमर में खून बह रहा है। परिवार की महिला भी खून से लथपथ हो गई है। फिलहाल किसी ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई है। इससे पुलिस ने कोई केस नहीं दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलने पर केस दर्ज किया जाएगा।

डड़वापार निवासी नागेंद्र यादव के बेटे सूरज और उसके चाचा सुजीत यादव के बेटे चांस यादव ने यूपी बोर्ड से हाईस्कूल की परीक्षा दी थी। शनिवार को जारी परीक्षा परिणाम में सूरज पास हो गया, जबकि उसका चचेरा भाई चांस यादव फेल हो गया। परीक्षा परिणाम आने के बाद सूरज अपने चाचा सुजीत के पास आशीर्वाद लेने गया। उसने चाचा को प्रणाम किया और इसी बात को लेकर मामला बिगड़ गया। सूरज और चांस यादव में कहासुनी होने पर बात बढ़ गई। दोनों पक्षों के लोग आमने—सामने आ गए। मारपीट शुरू हो गई। ईंट—पत्थर और लाठी—डंडे से एक—दूसरे पर हमला कर दिया। इसमें जीतनरायन यादव, कन्हैया यादव, तारकेश्वर यादव, सुजीत यादव, नागेंद्र यादव, टुनटुन यादव का सिर फट गया। बीच बचाव की कोशिश में कुछ महिलाएं भी चोटिल हो गईं। मौके पर पहुंची पुलिस मारपीट कर रहे लोगों को पकड़कर थाने चली गई। घायलों को सीएचसी पर पहुंचाया। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

जूनियर डाक्टरों ने मरीज के तीमारदार को पीटा

संवाददाता—गोरखपुर। बीआरडी मेडिकल कालेज में रविवार की सुबह तीमारदार और जूनियर डाक्टरों में कहासुनी के बाद दोनों ने एक दूसरे का कालर पकड़ लिए। जिसके बाद डॉक्टरों ने तीमारदार की पिटाई करते हुए शर्ट फाड़ दिया, वहीं डॉक्टर का स्टेटोस्कोप भी टूट गया। सहजनवा क्षेत्र के भड़सार निवासी रमेश मिश्रा अपने ससुर को मेडिसिन वार्ड में भर्ती कर एक सप्ताह से इलाज करवा रहे हैं। रमेश का आरोप है कि ससुर रामसेवक त्रिपाठी निवासी बेलौली थाना मेहदावल जिला संतकबीरनगर के पेट में इन्फेक्शन होने पर वेंटिलेटर पर रखा गया है। रविवार की सुबह वेंटिलेटर बंद हो जाने की जानकारी तीमारदार ने वार्ड में तैनात जूनियर डॉक्टर से की दी। जिस पर जूनियर डॉक्टर भड़ककर मरीज को मरने दो कहकर तीमारदार को गाली देने लगा। इसके बाद तीमारदार और डॉक्टर में झड़प होने लगी और दोनों ने एक दूसरे का कालर पकड़ लिया। कालर पकड़ने से नाराज डॉक्टरों ने तीमारदार को पीटते हुए उसका शर्ट फाड़ दिया, वहीं एक डॉक्टर का स्टेटोस्कोप टूट गया। डॉक्टर और मरीज का तीमरदार ने मेडिकल पुलिस को लिखित तहरीर दी है। चौकी प्रभारी अवनीश कुमार पांडेय ने बताया तहरीर मिली है जांचकर कार्यवाही की जाएगी।

एसडीएम ने बूथों का किया निरीक्षण

संवाददाता—संतकबीरनगर। जिले में मेंहदावल एसडीएम अरुण कुमार ने सीओ राघवेंद्र सिंह राठौर के साथ लोकसभा चुनाव को लेकर बूथों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आधा दर्जन से अधिक बूथों पर व्यवस्थाओं को परखा। अधिकतर बूथों पर शौचालय की स्थिति खराब होने पर उन्होंने नाराजगी जताई। दो दिन के अंदर शौचालय को ठीक कराने की चेतावनी दी। एसडीएम, सीओ के साथ सबसे पहले नंदौर स्थित बूथ पर पहुंचे। निरीक्षण के दौरान शौचालय दयनीय हालात में मिला। जिस पर उन्होंने ग्राम पंचायत अधिकारी व ग्राम प्रधान को तत्काल ठीक कराने का निर्देश दिया। कम्हरिया के पंचायत भवन में बनाए गए बूथ के निरीक्षण के दौरान मतदान के लिए कमरा छोटा पाया गया। जिस पर उन्होंने बीच की दीवार को तोड़ने का निर्देशित दिया। एसडीएम ने कई अन्य बूथों पर शौचालय, बिजली, पानी, बाउंड्रीवाल आदि का व्यवस्थाओं को जायजा लिया। कमियों को हर हाल में दो दिनों के अंदर पूरा करने का निर्देश दिया गया है। पूरी रिपोर्ट जिम्मेदारों से तलब की गई है।

शार्ट सर्किट से लगी आग, दो बीघा गन्ना की फसल जलकर राख

संवाददाता—संतकबीरनगर। जले के खलीलाबाद कोतवाली थाना क्षेत्र के चंगेरा—मंगेरा गांव के सिवान में शॉर्ट सर्किट से गन्ने की फसल में आग लग गई, जिससे दो बीघा फसल जलकर राख हो गई। इस घटना से दो किसानों का हजारों रुपए का नुकसान हो गया। वहीं किसानों ने सरकार से मुआवजे की गुहार लगाई है। किसानों की खेतों के ऊपर से हाई टेंशन लाइन गुजरी है। रविवार सुबह लगभग 10 बजे तेज हवा चलने के कारण तारों में शॉर्ट सर्किट के कारण चिंगारी निकली और आग लग गई। गन्ने का खेत जलते देख ग्रामीण मौके पर आग बुझाने दौड़ पड़े। घटना की जानकारी किसी व्यक्ति ने दमकल विभाग को दी। साथ ही गांव के सैकड़ों लोग जुटकर आग को बुझाने लगे। सूचना के कुछ समय बाद पहुंची दमकल ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। तब तक गांव निवासी इस्माइल व पतिराम की एक—एक बीघा गन्ने की फसल जलकर बर्बाद हो गई। टना बिजली विभाग की लापरवाही से हुई है। तार के पास बांस का पेड़ होने से अधिक हवा के कारण सब तार एक में चिपक जाते हैं जिससे अक्सर चिंगारी निकलती है। इसी वजह से गन्ने की फसल आग की चपेट में आ गई। अब उनकी फसल को शुगर मिल वाले भी नहीं लेंगे जिससे उन्हें काफी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।

इंडिया मार्का हैंडपंप खराब, विकट गर्मी में पेयजल संकट

संवाददाता—गोरखपुर। चिलचिलाती धूप में गर्मी से बेहाल लोगों के लिए रसूलपुर चकिया गांव के सिवान में लगे इंडिया मार्का हैंडपंप से पानी तक नसीब नहीं हो पा रहा है। जानकारी के अनुसार रसूलपुर चकिया गांव के सिवान में परम ज्योति इंटर कॉलेज के निकट एक इंडिया मार्का नल लगा हुआ है। इससे राहगीर और चरवाहे अपनी प्यास बुझाते थे। परन्तु ये नल महीनों से खराब है। हैंड पंप को देखकर राहगीर पानी पीने आते हैं परंतु हैंडपंप खराब होने के चलते इससे पानी नहीं निकलता है और लोग प्यासे ही लौट जाते हैं। हैंड पंप की मरम्मत के लिए संबंधित ग्राम सचिव से ग्रामीणों ने कई बार कहा फिर भी मरम्मत नहीं की गई। जिसको लेकर लोगों में नाराजगी है। स्थानीय लोगों ने इसकी मरम्मत की गुहार लगाई है। इस मामले में एडीओ पंचायत रमेश चंद्र ने कहा ग्राम सचिव को निर्देशित कर शीघ्र हैंडपंप ठीक कराया जाएगा।

मारपीट के मामले के फरार दो आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। कठेला समय माता थाना की पुलिस ने रविवार को मारपीट के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। केस दर्ज होने के बाद से फरार चल रहे थे। पुलिस ने क्षेत्र के कठेला जनूबी गांव के झरिहगवा गांव निवासी आरोपियों त्रिभुवन पुत्र दुखरन व राधेश्याम पुत्र सूर्यनाथ को उनके गांव से ही गिरफ्तार कर लिया है। थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने बताया कि केस दर्ज होने के बाद से आरोपी फरार चल रहे थे। उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है।

बारातियों की कार पुलिया से टकराई कार, एक की मौत, तीन घायल

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर थाना क्षेत्र के बर्डपुर नंबर 12 गांव के टोला बढ़या के पास शनिवार आधीरात के बाद बारात से घर लौट रहे कार सवार एक पुलिया से टकरा गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। कार सवार किशोर सहित चार लोगों को पुलिस काट कर बाहर निकाली। इसमें एक की मौत हो गई जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं घायलों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है।

एक कार पर सवार होकर किशोर सहित चार लोग शहर के एक मैरेज हाल में शनिवार रात शादी समारोह में शामिल होने आए थे। आधी रात के बाद कार्यक्रम में शामिल होकर कपिलवस्तु कोतवाली क्षेत्र के अलीगढ़वा कस्बा वापस जा रहे थे। रात करीब चार बजे के आसपास कारण सिद्धार्थनगर थाना के बर्डपुर नंबर 12 गांव के टोला बढ़या के पास एक पुलिया से टकरा गई। कार का स्पीड अधिक होने से टकराने के बाद कार के परखच्चे उड़ गए। आसपास रह रहे लोगों की आंख तेज आवाज के साथ खुल गई तो वह लोग मौके पर पहुंच गए। कार के अंदर फंसे चारों लोगों को बाहर निकालने की कोशिश की लेकिन निकालने का कोई रास्ता नजर नहीं आया। इस बीच किसी ने पुलिस को सूचना दे दी थी। सिद्धार्थनगर थाना की फोर्स भी कुछ ही देर में पहुंच गई। उसने कटर के सहारे कार को काट कर फंसे चारों लोगों को बाहर निकाला। उसमें एक किशोर भी शामिल था। सभी गंभीर रूप से जख्मी थे। घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया तो डॉक्टरों ने राजू वर्मा (42) पुत्र गंगा प्रसाद निवासी अलीगढ़वा थाना कपिलवस्तु को मृत घोषित कर दिया। दुर्घटना में बृजेश वर्मा (30) पुत्र हैन्हैया लाल निवासी बांसगांव जिला गोरखपुर, अनिल वर्मा (28) पुत्र राम कुबेर व सोहन (12) पुत्र राजू वर्मा निवासी करही खास थाना गोल्हौरा सिद्धार्थनगर को गंभीर चोटें आईं। तीनों को जिला अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। जहां इलाज चल रहा है। सिद्धार्थनगर थानाध्यक्ष गौरव सिंह ने बताया कि सुचना पर मौके पर पहुंच गए थे। कार में फंसे लोगों को बाहर निकाल कर जिला अस्पताल पहुंचाया गया। इसमें एक की मौत हो गई जबकि तीन घायल हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

100 क्विंटल से अधिक गेहूं बिक्री के लिए सत्यापन की अनिवार्यता खत्म

संवाददाता—गोरखपुर। रबी विपणन वर्ष 2024—25 के लिए गेहूं खरीद नीति शासन ने जारी किया था जिसमें 100 क्विंटल तक गेहूं बेचने के लिए किसानों को राजस्व विभाग से ऑनलाइन भूलेख सत्यापन से छूट मिली थी। लेकिन 100 क्विंटल से अधिक गेहूं बचने के लिए किसानों के भूलेख का ऑनलाइन सत्यापन अनिवार्य था। अब नए आदेश में संयुक्त सचिव देवी शंकर शुक्ल ने 100 क्विंटल से अधिक गेहूं बेचने के लिए भूलेख ऑनलाइन सत्यापन की अनिवार्यता से छूट प्रदान कर दी है। शासन का यह निर्देश जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी कार्यालय को मिल गया। नई नीति में बटाईदार किसानों को भी अपना उत्पाद सरकारी केंद्रों पर बेचने का मौका मिला है। 100 क्विंटल से अधिक का उत्पाद बेचने पर किसानों को तहसील से सत्यापन कराना होता है। किसान न तो अभिलेखों का सत्यापन कराता था और न ही सरकारी केंद्रों पर अपनी उपज को बेचने के लिए जाता था जिसके चलते सरकारी खरीद को गति नहीं मिल पाती थी।

जिला खाद्य विपणन अधिकारी अरविंद कुमार दुबे ने बताया कि शासन ने इस बार गेहूं का समर्थन मूल्य 2275 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित किया है। 100 कुंतल से अधिक गेहूं होने पर किसान के घर पर ही तौल कराया जा रहा है। हालांकि इतना कुछ करने के बाद भी अभी तक 547 किसानों से 2581.34 टन गेहूं की खरीद हुई है। गेहूं खरीद को जिले में 159 क्रय केंद्र बनाए गए हैं।

संदिग्ध हालात में फंदे से लटकता मिला युवक का शव

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। इटवा थाना क्षेत्र के खरदेवरी गांव में रविवार को संदिग्ध हाल में घर के कमरे में छत कुंडी से गमछे के फंदे के सहारे युवक का शव लटकता मिला। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। खरदेवरी गांव निवासी स्व. झिन्नन तिवारी का पुत्र राजेश तिवारी(19) का शव रविवार को संदिग्ध हाल में घर के कमरे में छत की कुंडी में गमछे के सहारे लटकता मिला। घटना के समय परिवारीजन कहीं रिश्तेदारी में गए हुए थे। घर पर राजेश अकेला था। राजेश को रविवार को अपने चचेरे भाई के परिवार के साथ रिश्तेदारी में जाना था। यह लोग भोजन करने के बाद जाने वाले थे। भोजन बनने के बाद परिवार के सदस्य उसे बुलाने पहुंचे तो घर में फंदे से लटकता शव देख सन्न रह गए। राजेश की मौत की जानकारी होने पर परिवारीजनों में कोहराम मच गया। मृतक के चचेरे भाई गोपाल तिवारी की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक तीन भाइयों में सबसे छोटा था और पंडिताई का कार्य करता था। थानाध्यक्ष संतोष कुमार तिवारी ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ट्रक के नीचे सोए खलासी की दब कर मौत

संवाददाता—गोरखपुर। चिलुआताल थाना क्षेत्र के मोहरीपुर में ट्रक के नीचे सोए खलासी की दब कर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची चिलुआताल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिये भेज दिया। खलासी लखनऊ के गोसाईगंज का रहने वाला था। गोरखपुर के मोहरीपुर बाजार स्थित शंकर चौराहे के पास आरपी ट्रेडिंग कम्पनी के लिए लखनऊ से ट्रक से मैगी आया था। माल उतारने में समय लगने पर खलासी आरएन यादव (19) पुत्र रामभरोस ट्रक के नीचे सो गया।आरपी कम्पनी के लोगों ने ट्रक को आगे बढ़ाने को कहा तब ड्राइवर ने खलासी के नीचे सोए हुए होने की जानकारी से अनजान ट्रक चालक ने गाड़ी आगे बढ़ा दी। ट्रक के पहिए के नीचे आए खलासी आरएन यादव की मौत हो गई।

दुल्हा बारात लेकर शादी करने निकल रहा था, घर आ पहुंची प्रेमिका, पूरा परिवार फरार

संवाददाता—संतकबीरनगर। मेंहदावल थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक ने गोरखपुर जनपद के कैंपियरगंज थाना क्षेत्र की रहने वाली एक युवती को अपने प्रेम जाल में फंसाया।

शादी का झांसा देकर कई बार शारीरिक संबंध बनाए। प्रेमिका को शादी के नाम पर टालमटोल करता रहा। प्रेमिका से पीछा छुड़ाने के लिए उसने अपनी शादी भी तय कर ली। रविवार को उसकी बरात निकलने वाली थी। इससे पहले प्रेमिका ने प्रेमी के खिलाफ कैंपियरगंज थाने में दुष्कर्म का केस पंजीकृत कराकर पुलिस के साथ कथित प्रेमी के घर पहुंच गई। पूरा परिवार फरार हो गया। काफी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट हुए हैं। पूरे मामले की जानकारी प्रेमिका ने इंटरनेट मीडिया पर वायरल कर दिया है। मामले में लोग तरह—तरह की चर्चा कर रहे हैं। मेंहदावल थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक 2014 में गोरखपुर जनपद के कैंपियरगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में निवास करने वाली एक युवती अपने प्रेम संबंध में फंसा लिया। युवती का आरोप है कि उसके प्रेमी ने उससे कई बार शारीरिक संबंध बनाए।

गोरखपुर में भी ले जाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया गया। युवती ने बताया कि युवक के परिवार के सदस्यों को कई बार अपने संबंध की जानकारी दी। परिवार के लोग टालमटोल करते रहे। युवती से शादी करने से युवक ने इंकार कर दिया। उसके साथ दुर्व्यवहार करने लगा। युवक ने अपनी प्रेमिका से पीछा छुड़ाने के लिए बेलहर थाना क्षेत्र के एक गांव में चुपके से अपनी शादी तय कर ली। रविवार को उसकी गांव से बरात जाने वाली थी। पीड़िता ने कैंपियरगंज थाने में युवक के खिलाफ दुष्कर्म का केस दर्ज कराया। बरात निकलने के दिन रविवार को वह अपने परिवार के सदस्यों व पुलिस को लेकर आरोपित के घर आ धमकी। पूरा परिवार उसे देखकर फरार हो गया। परिवार के सदस्यों ने बताया शादी टाल दी गई है। एक युवक के गलत कार्य की बदौलत दो परिवार भुगत रहे हैं।

पूरे मामले की चर्चा समूचे मेंहदावल में हो रही है। देर शाम तक पीड़िता आरोपी के घर जमी हुई थी। घर पर सन्नाटा पसरा हुआ था। सीओ राघवेंद्र सिंह राठौर ने बताया कि इस मामले में कैंपियरगंज थाने में आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म का केस दर्ज हुआ है। मामला दूसरे थाने से जुड़ा होने के कारण मेंहदावल थाना सीधे तौर पर नहीं जुड़ा हुआ है। कैंपियरगंज पुलिस के सहयोग के लिए लोकल पुलिस को लगाया गया है।

गोदामों से निकले केले के कचरे को रास्ते के किनारे फेंका, प्रदर्शन

संवाददाता—गोरखपुर। क्षेत्र में स्थित केला के गोदाम से निकलने वाले कचरे को नौसढ़—खजनी मार्ग के किनारे जगह—जगह फेंक दिया जा रहा है। गन्दगी व उसकी दुर्गन्ध से परेशान होकर स्थानीय लोगों रविवार को प्रदर्शन कर समस्या से निजात दिलाने की मांग की है। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे जनार्दन यादव ने बताया की केला कारोबारियों द्वारा दूसरे प्रदेशों से कच्चा केला मंगाकर बड़े बड़े गोदामों में रखें और केमिकल के द्वारा केला पकाकर आपूर्ति की जाती है। कच्चा केला को गोदामों तक सुरक्षित ले आने के लिए भारी मात्रा में केले के पत्ते और डंठल का प्रयोग किया जाता है। कच्चा केला गोदामों में रखने के बाद पत्ते और डंठल को रात के अंधेरे का फायदा उठाकर नौसढ़—खजनी मार्ग के किनारे तेनुआ, खानिमपुर, टोलप्लाजा समेत अन्य जगह के पास खुलेआम कहीं भी फेंक दिया जाता है। गन्दगी व दुर्गन्ध से स्थानीय लोगों व राहगीरों का चलना मुहाल हो गया है। साथ ही संक्रामक बीमारी फैलने की आंशका बनी हुई है। ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर समस्या से निजात दिलाने की मांग की है। प्रदर्शन में लोकनाथ यादव, अनूप यादव, नागेंद्र यादव, रोहित कुमार, नरेंद्र, दिनेश, संजय मौर्या समेत अन्य शामिल रहे।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

मूलवाद सं0 592/2022

अदालत—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला—बस्ती

रंजना उपाध्याय आदि

बनाम

ओम प्रकाश आदि

1. ओम प्रकाश आयु लगभग 40 वर्ष
2. इन्द्रजीत आयु लगभग 33 वर्ष पुत्रगण स्व0 राम पियारे साकिनान ग्राम रुधौली कला तहसील रूधौली परगना मगहर पश्चिम जिला—बस्ती —प्रतिवादीगण प्रथम पक्ष
3. मोहन आयु लगभग 43 वर्ष पुत्र स्व0 राम पियारे साकिनान ग्राम रुधौली कला तहसील रूधौली परगना मगहर पश्चिम जिला—बस्ती —प्रतिवादी द्वितीय पक्ष

तारीख पेशी 22—05—2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 22 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

मूलवाद सं0 508/2023

अदालत—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला—बस्ती

अजमेरुन्निशा

बनाम

अकबर अली आदि

1. अकबर अली पुत्र रमजान अली साकिन महमूदपुर तप्पा दुबखरा परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती —प्रतिवादी प्रथम वर्ग
2. असगर अली पुत्र रमजान अली साकिन महमूदपुर तप्पा दुबखरा परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती —प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 29—05—2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 29 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

150 किसानों ने भूमि विक्रय के लिए भरा सहमति पत्र, 25 गांवों से 600 एकड़ जमीन चिन्हित

संवाददाता—गोरखपुर। मुख्यमंत्री शहर विस्तारीकरण (नया शहर प्रोत्साहन योजना) के तहत 6000 एकड़ की नया गोरखपुर परियोजना में अब तक 150 से अधिक किसानों ने सहमति के आधार पर भूमि विक्रय के लिए सहमति पत्र भरा है। दूसरी ओर समझौते पर जमीन का बैनामा लेने का दर निर्धारण करने वाली डीएम की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय कमेटी की बैठक भी हो चुकी है। जल्द ही कमेटी की रिपोर्ट अनुमोदन के लिए कमिश्नर अनिल ढींगरा के पास भेजी जाएगी। दर निर्धारित होने के बाद गोरखपुर विकास प्राधिकरण अप्रैल के आखिरी सप्ताह से जमीन का बैनामा भी कराना भी शुरू कर देगा। नया गोरखपुर विकसित करने के लिए 25 गांव से कुल 6000 एकड़ जमीन चिह्नित की गई है। पहले चरण में पिपराइच रोड के चार गांव मानीराम, रहमत नगर, सोनबरसा और बालापार की कुल 158.377 हेक्टेयर जमीन प्राप्त करने के लिए जीडीए के प्रभारी मुख्य अभियंता किशन सिंह के नेतृत्व में आठ अधिकारी और कर्मचारियों की टीम गठित की गई है। वहीं कुशीनगर रोड के तीन गांव माड़ापार, कोनी, तकिया मेदनीपुर की कुल 251.819 हेक्टेयर जमीन के लिए भी अधिशासी अभियंता नरेंद्र कुमार की अगुवाई में आठ अधिकारी और कर्मचारियों की टीम बनाई गई है। दोनों टीमें काश्तकारों के साथ बैठक कर सर्किल रेट से चार गुने अधिक दाम पर जमीन देने के लिए राजी कर रही हैं। अब तक बालापार, मानीराम और रहमत नगर के 150 से अधिक काश्तकारों ने सर्किल रेट के चार गुना मूल्य पर जमीन बैनामा करने के लिए लिखित सहमति प्रदान कर दी है। उधर, प्राधिकरण ने अनिवार्य अधिग्रहण की भी प्रक्रिया शुरू कर दी है ताकि समझौते पर बात नहीं बने तो अनिवार्य अधिग्रहण कर जमीन नया गोरखपुर के लिए ली जा सके। नया गोरखपुर विकसित करने के लिए बालापार टिकरिया रोड पर चार गांव और कुशीनगर रोड पर के तीन गांव से 400 हेक्टेयर से अधिक भूमि समझौते के आधार पर लेने के लिए किसानों से संवाद जारी है। सर्किल रेट से चार गुना अधिक पर जमीन देने के लिए 150 किसानों ने अपनी सहमति दे दी है। दूसरी ओर सर्किल रेट से चार गुना मूल्य का प्रस्ताव डीएम की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय मूल्य निर्धारण कमेटी को भेजा गया था। इस प्रस्ताव पर कमेटी ने बैठक कर निर्णय ले लिया है जिसके मिनट्स तैयार किए जा रहे हैं। मूल्य निर्धारण के साथ रजिस्ट्री फीस और छूट संबंधी निर्णय भी हो जाएंगे। जल्द ही अनुमोदन के लिए कमिश्नर कार्यालय भेजा जाएगा। उसके बाद जीडीए बैनामा की प्रक्रिया शुरू करेगा। जीडीए उपाध्यक्ष आनंद वर्द्धन ने बताया कि नया गोरखपुर के तहत किसानों से बातचीत में 150 किसानों ने भूमि विक्रय के लिए सहमति पत्र भरा है। अभी और किसानों से सहमति भरवाने का सिलसिला जारी है।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक—दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक—प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय— चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय— आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय— इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com